दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 सोनिया गांधी संसद के कामकाज के भी राजनीतिकरण का प्रयास कर रही हैं : जोशी

6 श्रीकृष्ण सही मायने में सृष्टि के कुशल महाप्रबंधक

7 अगर चीन 'बिगाड़ने वाले' की भूमिका निभाना चाहता है, तो यह विकल्प उपलध है

फर्स्ट टेक

पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन 15 सितम्बर तक किये जा सकते हैं

नई दिल्ली/वार्ता। विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट तथा असाधारण योगदान के लिए दिये जाने वाले देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, पद्म पुरस्कारों के वास्ते ऑनलाइन नामांकन तथा सिफारिशें इस महीने की 15 तारीख तक की जा सकती हैं। पद्म पुरस्कार वर्ष 1954 में स्थापित किये गये थे और इनके तहत पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री पुरस्कारों की घोषणा हर वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। ये पुरस्कार कला, साहित्य एवं शिक्षा, खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान तथा इंजीनियरिंग, सार्वजनिक मामले, नागरिक सेवा, व्यापार और उद्योग आदि जैसे सभी क्षेत्रों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों एवं सेवा के लिए दिये जाते हैं। भारत के सभी नागरिक जाति, व्यवसाय, पद या लिंग के भेदभाव के बिना इन पुरस्कारों के लिए पात्र हैं।

अफगानिस्तान, पाकिस्तान के बीच तोरखम सीमा चौकी पर हुईं झड़पें

तोरखम/वार्ता। पाकिस्तान के तोरखम चौकी पर बुधवार को अफगान सेना और पाकिस्तानी सीमा सैनिकों के बीच गोलीबारी हुई। स्थानीय लोगों ने यह जानकारी दी। स्थानीय लोगों के अनुसार, झड़पों से बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए क्योंकि नागरिकों को अपना घर छोड़ने पड़ा। तोरखम चेकपॉइंट अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तीन प्रमुख व्यापार और पारगमन मार्गों में से एक है जिसका उपयोग इस्लामाबाद मध्य एशिया में अपना माल पहुंचाने के लिए करता है।

अमित मालवीय के खिलाफ तमिलनाडु पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की

तिरुचिरापल्ली (तमिलनाडु)/ भाषा। सनातन धर्म पर तमिलनाडु के युवा कल्याण मंत्री उदयनिधि स्टालिन की टिप्पणी को तोड़-मरोड़कर पेश करने के आरोप में भाजपा के आईटी विभाग के प्रभारी अमित मालवीय के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बुधवार को यहां यह जानकारी दी। मालवीय ने हाल में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर दावा किया था कि द्रमुक नेता उदयनिधि ने सनातन धर्म का पालन करने वाली 80 प्रतिशत आबादी के ''नरसंहार'' का आह्वान किया है। शहर पुलिस ने कहा कि उदयनिधि की टिप्पणी को जानबूझकर गलत तरीके से पेश करने और विभिन्न वर्गों के बीच वैमनस्य पैदा करने के लिए भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

07-09-2023	08-09-2023
सूर्यास्त 6:26 बजे	सूर्योदय 6:08 बजे

BSE	NSE
65,880.52	19,543.80
(+100.27)	(-31.10)

सोना	चांदी
6,200 रु.	75,700 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मौजूदा युवा पीढ़ी के बुजुर्ग होने से पहले ही अखंड भारत हकीकत बन जायेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि आज की युवा पीढ़ी के बुजुर्ग होने से पहले ही अखंड भारत हकीकत बन जाएगा। उन्होंने यहां एक कार्यक्रम में एक विद्यार्थी के प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि लेकिन वह सटीक समय नहीं बता सकते कि अखंड भारत कब अस्तित्व में आयेगा।

सरसंघचालक ने कहा, ''लेकिन यदि आप इस दिशा में काम करते रहेंगे तो आप बुजुर्ग होने से पहले इसे साकार होते हुए देखेंगे। चूंकि स्थितियां ऐसी बन रही हैं कि जो लोग भारत से अलग हुए, वे महसूस करते हैं कि उन्होंने गलती की। वे महसूस करते हैं कि हमें एक बार फिर भारत बन जाना चाहिए (उसका हिस्सा हो जाना चाहिए)। वे सोचते हैं कि भारत का हिस्सा बनने के लिए उन्हें मानचित्र पर खींची गयी रेखा मिटाने की जरूरत है। भारत बनना (भारत का हिस्सा होना) भारत का स्वभाव हासिल करना है।''

जब उनसे इस दावे के बारे में पूछा गया कि आरएसएस ने 1950 से 2002 तक यहां महाल इलाके में अपने मुख्यालय में राष्ट्रध्वज नहीं फहराया तो भावगत ने कहा, ''हर साल 15 अगस्त और 26 जनवरी को हम जहां भी होते हैं, हम राष्ट्रध्वज फहराते हैं। नागपुर में महाल और रेशमीबाग हमारे दोनों ही परिसरों में ध्वजारोहण होता है। लोगों को हमसे यह प्रश्न नहीं करना चाहिए।''

उसके बाद उन्होंने एक घटना को याद करते हुए कहा कि 1933 में जलगांव के पास कांग्रेस के तेजपुर सम्मेलन के दौरान जब पंडित जवाहरलाल नेहरू 80 फुट ऊंचे खंभे पर ध्वजारोहण कर रहे थे तब झंडा बीच में फंस गया था, उस दौरान करीब 10000 की भीड़ से एक युवक आगे आया और खंभे पर चढ़कर उसने झंडे को निकाला।

द्रौपदी मुर्मू को
'सनातन धर्म ने देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति बनाया'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै (तमिलनाडु)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई ने बुधवार को कहा कि आदिवासी समुदाय से आने वाली द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति और देश का प्रथम नागरिक बनाया गया और यही सनातन धर्म है।

द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) नेता एवं तमिलनाडु के युवा कल्याण मंत्री उदयनिधि स्टालिन के इस आरोप का खंडन करते हुए कि मुर्मू को नये संसद भवन के हालिया उद्घाटन में आमंत्रित नहीं किया गया था और यह सनातन धर्म की भेदभावपूर्ण प्रथा को दर्शाता है, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के अन्नामलाई ने सवाल किया कि द्रमुक ने उनके लिए वोट क्यों नहीं किया।

अन्नामलाई ने यहां निकट श्रीविल्लिपुथुर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान सवाल किया, ''द्रमुक ने राष्ट्रपति चुनाव में उनके समर्थन में मतदान क्यों नहीं किया?'' अन्नामलाई ने कहा कि सभी जातियां समान हैं। उन्होंने तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी से उस उम्मीदवार के बारे में सवाल किया जिसका उसने राष्ट्रपति चुनाव में समर्थन किया था। उन्होंने कहा, ''आपने (द्रमुक ने) (मुर्मू के खिलाफ) यशवंत सिन्हा को वोट दिया, वह किस समुदाय से हैं?''

उन्होंने कहा, ''हम देश के लोगों ने उन्हें (मुर्मू को) राष्ट्रपति बनाया और यही सनातन धर्म है, आपने उनके पक्ष में मतदान क्यों नहीं किया?''

भाजपा नेता ने यह भी सवाल किया कि क्या द्रमुक ने अनुसूचित जाति समुदाय से आने वाले रामनाथ कोविंद के पक्ष में मतदान किया था? उन्होंने कहा, ''हम सनातन धर्म को मानने वालों ने उन्हें वोट दिया क्योंकि हमारा मानना है कि सभी समान हैं। सनातन धर्म के बारे में हमसे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीखें।''

घुसपैठ की कोशिश नाकाम, दो आतंकवादी ढेर

जम्मू/वार्ता। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में एक आतंकवादी के मारे जाने के एक दिन बाद, सेना के जवानों ने पुंछ जिले में मंडी के पास आतंकियों के घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया और दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया। जम्मू स्थित रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्तवाल ने बुधवार को यहां बताया कि पुंछ जिले के मंडी उपसंप्रदाय में पांच-छह सितंबर की मध्यरात्रि को दो आतंकवादियों को नियंत्रण रेखा पार कर अपनी तरफ आते देखा गया। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों को रोकने के लिए भारतीय सेना और पुलिस द्वारा तुरंत संयुक्त अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि घने जंगल और खड़ी ढाल का इस्तेमाल आतंकवादियों ने अपने सैनिकों पर भारी मात्रा में गोलीबारी को कम करने के लिए किया था। उन्होंने आगे कहा कि लंबे समय तक जारी गोलीबारी में दोनों आतंकवादियों को मार गिराया गया।

सोनिया गांधी ने विशेष सत्र में नौ मुद्दों पर चर्चा की मांग की, सरकार ने राजनीतिकरण का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया कि संसद के विशेष सत्र के दौरान देश की आर्थिक स्थिति, जातीय जनगणना, चीन के साथ सीमा पर गतिरोध और अडाणी समूह से जुड़े नए खुलासों की पृष्ठभूमि में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित करने की मांग समेत नौ मुद्दों पर उचित नियमों के तहत चर्चा कराई जाए।

दूसरी तरफ, संसदीय कार्य मंत्री ने प्रह्लाद जोशी ने सोनिया गांधी को लिखे जवाबी पत्र में उन पर 'लोकतंत्र के मंदिर' के कामकाज का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाते हुए कहा कि स्थापित प्रक्रियाओं का पालन करने के बाद ही 18 सितंबर से संसद का विशेष सत्र आहूत किया गया है।

संसद का विशेष सत्र 18 सितंबर से आरंभ होकर 22 सितंबर तक चलेगा।

प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में सोनिया गांधी कहा, मैं इस बात का उल्लेख करना चाहूंगी कि संसद का विशेष सत्र राजनीतिक दलों से विचार-विमर्श किए बिना बुला लिया गया। इस सत्र के एजेंडे के बारे में हमें जानकारी नहीं है।'' उन्होंने यह भी कहा, ''हम निश्चित रूप से विशेष सत्र में भाग लेना चाहते हैं क्योंकि इससे हमें लोगों से संबंधित और महत्व के मामलों को उठाने का मौका मिलेगा। मुझे पूरी उम्मीद है कि इन मुद्दों पर चर्चा के लिए उचित नियमों के तहत समय आवंटित किया जाएगा।

गणेश चतुर्थी के दिन नये संसद भवन में होगा कामकाज शुरू

नई दिल्ली/वार्ता। संसद के आगामी विशेष सत्र में 19 सितंबर को गणेश चतुर्थी के दिन से नये संसद भवन में कामकाज शुरू होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार इस बारे में अभी कोई आधिकारिक सूचना नहीं आयी है, लेकिन चर्चा के हिसाब से बताया जा रहा है कि 18 सितंबर को सत्र की शुरूआत पुराने भवन से होगी। संसद के नए भवन में मंगलवार 19 सितंबर को गणेश चतुर्थी के दिन से कामकाज शुरू हो सकता है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने खालिस्तान के मुद्दे पर कहा
ब्रिटेन में किसी तरह का उग्रवाद स्वीकार्य नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ब्रिटेन में खालिस्तानी समर्थक तत्वों की गतिविधियों को लेकर भारत की चिंताएं दूर करने का प्रयास करते हुए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने बुधवार को कहा कि किसी भी तरह का उग्रवाद स्वीकार्य नहीं हैं और वैध विरोध के अधिकार को हिंसक या धमकी भरे व्यवहार तक नहीं ले जाया जा सकता।

सुनक ने 'पीटीआई-भाषा' को दिये विशेष साक्षात्कार में कहा कि वह हिंसक, विभाजनकारी विचारधाराओं, वे चाहे जिस तरह की हों, उन पर काबू पाने और उनका मुकाबला करने के सरकार के कर्तव्य को काफी गंभीरता से लेते हैं। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन खालिस्तान समर्थक उग्रवाद के खतरे से निपटने के लिए भारत सरकार में अपने साझेदारों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

ब्रिटेन में खालिस्तानी समर्थक तत्वों की गतिविधियों को लेकर, खासतौर पर मार्च में लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग पर हमले के बाद भारत में चिंताएं बढ़ गयी हैं।

सुनक के ये बयान जी20 सम्मेलन में शामिल होने के लिए उनकी भारत यात्रा से कुछ दिन पहले आये हैं। उन्होंने कहा, ''ब्रिटेन में किसी तरह का उग्रवाद स्वीकार्य नहीं हैं और मैं हिंसक, विभाजनकारी विचारधाराओं, चाहे वे कैसी भी हों, उन पर काबू पाने और उनसे मुकाबला करने के सरकार के कर्तव्य को बहुत गंभीरता से लेता हूं।''

सुनक ने कहा, ''हम खालिस्तान समर्थक उग्रवाद के खतरे से निपटने के लिए भारत सरकार में हमारे साझेदारों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और ब्रिटेन की पुलिस हिंसक गतिविधियों से निपटने में पूरी तरह सक्षम है।

दिल्ली में इस तरह की राय है कि खालिस्तान का मुद्दा भारत और ब्रिटेन के गहन संबंधों में अवरोध पैदा कर रहा है।

सुनक ने पिछले महीने हुई ब्रिटेन के सुरक्षा मंत्री टॉम टुगेंडहाट और विदेश मंत्री एस जयशंकर की बैठक का भी उल्लेख किया जिसमें उग्रवाद और भ्रष्टाचार के खतरे से निपटने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

नटराज प्रतिमा भारत के समृद्ध इतिहास व संस्कृति की जीवंतता का प्रमाण : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि जी-20 शिखर सम्मेलन की प्रमुख बैठकों की मेजबानी करने वाले सम्मेलन केंद्र 'भारत मंडपम' में स्थापित नटराज की प्रतिमा भारत की सदियों पुरानी कलात्मकता और परंपराओं के प्रमाण की साक्षी है।

वह इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के उस पोस्ट का जवाब दे रहे थे जिसमें प्रतिमा के बारे में कहा गया था कि यह अष्टधातु से बनी है।

केंद्र ने 'एक्स' पर कहा, ''27 फीट लंबी, 18 टन वजनी यह प्रतिमा अष्टधातु से बनी सबसे ऊंची प्रतिमा है और इसे तमिलनाडु के स्वामी मलाई के प्रसिद्ध मूर्तिकार राधाकृष्णन स्थापति और उनकी टीम ने रिकॉर्ड सात महीनों में गढ़ा है। राधाकृष्णन की 34 पीढ़ियां चोल साम्राज्य काल से मूर्तियां बनाती आ रही हैं। ब्रह्मांडीय ऊर्जा, रचनात्मकता और शक्ति का महत्वपूर्ण प्रतीक नटराज की यह प्रतिमा जी-20 शिखर सम्मेलन में आकर्षण का केंद्र बनने जा रही है।''

इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मोदी ने कहा, ''भारत मंडपम में भव्य नटराज प्रतिमा हमारे समृद्ध इतिहास और संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को जीवंत करती है। जैसे ही दुनिया जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए एकत्रित होगी, यह भारत की सदियों पुरानी कलात्मकता और परंपराओं के प्रमाण की साक्षी बनेगी।''

मणिपुर में गोलीबारी में 80 से ज्यादा लोग घायल

इंफाल/वार्ता। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में बुधवार को पुलिस, रैपिड एक्शन फोर्स और अन्य सुरक्षा कर्मियों द्वारा की गई गोलीबारी में 80 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में ज्यादातर महिलाएं और एक पत्रकार शामिल हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यह घटना तब हुई जब लोगों ने फौगाकचाओ इखाई में कर्फ्यू का उल्लंघन किया।

मणिपुर सरकार ने पहले पांच जिलों में कर्फ्यू लगा दिया था क्योंकि विस्थापित लोगों ने टोरबुंग में अपने घरों में लौटने का फैसला किया था। उन्होंने बताया कि कर्फ्यू का उल्लंघन करते हुए, हजारों लोग बिष्णुपुर जिले में एकत्र हुए और चुराचांदपुर जिले में तीन मई से दूसरे जातीय समूह के लोगों द्वारा नष्ट किए गए स्थानों की ओर मार्च किया। 60000 से अधिक लोग अभी भी विस्थापित हैं और सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें अपने घरों में नहीं लौटने की सलाह दी है। क्योंकि स्थिति अभी भी सामान्य नहीं हुई है और दूसरे जातीय समूह के लोग उन्हें निशाना बना सकते हैं।

मणिपुर सरकार ने राज्य के पांच जिलों में कर्फ्यू लगाया

इंफाल/वार्ता। इंफाल स्थित कई नागरिक संगठनों की एक प्रमुख संस्था मणिपुर इंटीग्रिटी पर समन्वय समिति (सीओसीओएमआई) के विस्थापितों के अपने घरों को लौटने के आह्वान के मद्देनजर मणिपुर सरकार ने बुधवार को राज्य के पांच जिलों पूरी तरह कर्फ्यू लगा दिया है।

चुराचांदपुर जिले में तीन मई को हिंसा शुरु होने के बाद 60 हजार से अधिक लोग विस्थापित हो गये थे। चुराचांदपुर, मोरेह, कांगपोकपी में एक विशेष जातीय समूह के स्वामित्व वाले सभी घरों को दूसरे समूह के लोगों ने नष्ट कर दिया था।

तमिलनाडु में सड़क हादसे में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत

चेन्नई/वार्ता। तमिलनाडु में बुधवार को एक सड़क हादसे में एक साल के मासूम बच्ची सहित एक ही परिवार को छह लोगों की मौत हो गयी तथा दो अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पीड़ित हादसे के समय ओमनी वैन से सलेम जा रहे थे। इसी दौरान चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया तथा वाहन चिन्नगौनदनूर में खड़े ट्रक से जा टकराया। सूत्रों के मुताबिक मृतकों की पहचान पलानीस्वामी, पी. पपति, सेलवराज, मंजूला अरुणुगम तथा मासूम बच्ची संजना के तौर पर हुयी है। घायलों को संकरी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शवों को भी इसी अस्पताल में भेजा गया है। बताया जा रहा है कि वैन चालक काफी तेज गयी से वाहन चला रहा था। हादसे के समय ट्रक चालक ट्रक में सो रहा था और टक्कर होने पर आवाज सुन कर उठा। इसे चोट नहीं लगी है, लेकिन पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। सलेम के कलेक्टर एस. करनेगम तथा पुलिस अधीक्षक ए. के अरुण कबिलन घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंचे और घटना के बारे में जानकारी ली। साथ ही अस्पताल में जाकर घायलों से मुलाकात की।

रूस के वैगनर समूह को प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन घोषित करेगा ब्रिटेन

लंदन/एपी। ब्रिटेन सरकार बुधवार को 'हाउस ऑफ कॉमन्स' में एक प्रस्ताव पेश करेगी जिसके जरिए रूस के वैगनर समूह को आतंकवादी संगठन घोषित कर प्रतिबंध लगाया जाएगा। ब्रिटेन के गृह कार्यालय ने कहा कि प्रस्ताव को मंजूरी मिलने से ब्रिटेन में वैगनर समूह का सदस्य बनना या उसका समर्थन करना अवैध होगा। देश में प्रतिबंधित आतंकी संगठनों से संबंधित कुछ अपराधों के लिए 14 साल की कैद हो सकती है। गृह कार्यालय के मसौदा आदेश के तहत वैगनर की संपत्ति को भी आतंकवादी संपत्ति के रूप में चिह्नित किया जा सकता है और जब्त किया जा सकता है। ब्रिटेन ने कहा कि वैगनर समूह के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन की मौत के बाद भी समूह वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा बना हुआ है। ब्रिटिश सरकार ने कहा कि वैगनर समूह ने यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध में अहम भूमिका निभाई है।

स्टारशिप अंतरिक्ष यान लॉन्च के लिए तैयार : एलन मस्क

वाशिंगटन/वार्ता। स्पेसएक्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क ने कहा कि कंपनी एक और स्टारशिप अंतरिक्ष यान लॉन्च करने के लिए अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) की मंजूरी का इंतजार कर रहा है। मस्क ने एक्स पर लिखा, स्टारशिप लॉन्च के लिए तैयार है, एफएए लाइसेंस अनुमोदन की प्रतीक्षा कर रहा है। स्पेसएक्स ने इससे पहले एक्स पर लिखा था कि उसने टेक्सास में स्टारबेस के लॉन्च पैड पर स्टारशिप को पूरी तरह से खड़ा कर दिया है। उल्लेखनीय है कि स्पेसएक्स ने अप्रैल में स्टारशिप अंतरिक्ष यान और सुपर हेवी प्रथम-चरण बूस्टर का पहला संयुक्त प्रक्षेपण किया था। परीक्षण उड़ान के दौरान अंतरिक्ष यान विस्फोट हो गया था।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

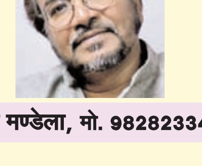

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

भारत पर महाभारत

इंडिया को दुनिया जान रही,
हर भारतवासी का क्या मत।
हिन्दुस्तान कहें इसको या,
कहें इसे हम आर्यावर्त।
आखिर है सही कौन बोलो,
खोलो परतें दर परत-परत।
भारत ही है तो भारत पर,
क्यों आज कर रहे महाभारत।।

मेवाड़ जैन सेवा संस्था की बैठक हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मेवाड़ जैन सेवा संस्था की एक बैठक का आयोजन किया जिसमें अनिल पोकरणा ने सभी को 'खेलो मेवाड़' के लिए शुभकामनाएं दी। आगामी एजेंडा पर चिंतन करते हुए मेवाड़ में प्रवासरत 1600 परिवार के लिए एक वृहद डायरेक्टरी बनाने पर चर्चा हुई। मेवाड़ उत्सव 2024 को 11 जनवरी करने पर निर्णय लिया गया।

बैठक में 10 एवं 20 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए बॉक्स क्रिकेट एवं क्रिकेट टूर्नामेंट पर भी चर्चा हुई। अंत में आभार ज्ञापन संतोष पोरवाड़ ने दिया।

कृष्ण जन्माष्टमी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में बुधवार को एक स्कूल में कृष्ण जन्माष्टमी धूमधाम से मनाई गई। इस मौके पर स्कूल के बच्चों ने 'राधा-कृष्ण' की झांकी बनाई। सामूहिक रूप से राधाकृष्ण की एक फोटो।

मराठा आरक्षण कार्यकर्ता जारांगे की भूख हड़ताल का नौवां दिन, तरल पदार्थ दिया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

औरंगाबाद (महाराष्ट्र)/भाषा। मराठा आरक्षण के मुद्दे को लेकर बुधवार को मनोज जारांगे की भूख हड़ताल का नौवां दिन रहा। महाराष्ट्र के जालना जिले में कार्यकर्ता की स्वास्थ्य स्थिति की निगरानी कर रहे चिकित्सकों ने कहा कि उनके शरीर में पानी की कमी हो गई है और उन्हें अब नसों के जरिए तरल पदार्थ दिया जा रहा है। एक स्वास्थ्य अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि सुबह उनका रक्तचाप भी कम था। करीब 40 वर्षीय जारांगे 29 अगस्त से जालना जिले के अंतरवाली सरती गांव में भूख हड़ताल पर हैं।

कार्यकर्ता ने मंगलवार को कहा कि अगर आरक्षण पर अनुकूल निर्णय नहीं लिया गया तो वह चार दिनों के बाद पानी और तरल पदार्थ पीना बंद कर देंगे। सरकार अब तक जारांगे से दो बार संपर्क कर उनसे अनशन वापस लेने का आग्रह कर चुकी है, लेकिन उन्होंने पीछे हटने से इनकार कर दिया है।

चिकित्सकों की एक टीम नियमित रूप से उनकी स्वास्थ्य स्थिति की निगरानी कर रही है।

जालना के अतिरिक्त सिविल सर्जन डॉ. प्रताप घोडके ने कहा, ''जारांगे के शरीर में पानी की कमी हो गई है और उनका क्रिएटिनिन स्तर थोड़ा अधिक है। हमने उन्हें नसों के जरिए तरल पदार्थ देना शुरू कर दिया है।'' उन्होंने कहा, ''जारांगे के महत्वपूर्ण पैरामीटर ठीक हैं, लेकिन उनका रक्तचाप निचले स्तर पर है। आज सुबह उनका बीपी 110 (सिस्टोलिक) और 70 (डायस्टोलिक) दर्ज किया गया। इलेक्ट्रोलाइट्स ठीक हैं और उनकी हृदय गति भी संतोषजनक है।''

विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन का नाम बदलने के लिए तैयार हैं : उमर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुलवामा/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' अपना नाम बदलने के लिए तैयार है, यदि इसके चलते केंद्र सरकार 'इंडिया' की जगह नाम भारत करने की कथित तौर पर योजना बना रही है।

अब्दुल्ला की यह टिप्पणी जी-20 से संबंधित रात्रिभोज के निमंत्रण पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को 'प्रेसीडेंट ऑफ भारत' (भारत के राष्ट्रपति)' के तौर पर संदर्भित किए जाने के बाद आई, उनके पद का पारंपरिक रूप से 'प्रेसीडेंट आफ इंडिया' के तौर पर उल्लेख किया जाता रहा है। इसको लेकर मंगलवार को विपक्ष ने नरेन्द्र मोदी सरकार पर यह आरोप लगाते हुए निशाना साधा कि वह देश के नाम के तौर पर 'इंडिया' हटाकर केवल भारत करने की योजना बना रही है।

अब्दुल्ला ने श्रीनगर से लगभग 35 किलोमीटर दूर यहां संवाददाताओं से कहा, ''यदि इसके पीछे का कारण यह है कि विपक्षी गठबंधन ने अपना नाम 'इंडिया' रखा है, तो हम अपना (विपक्षी गठबंधन का) नाम बदल देंगे। हम देश को संकट में नहीं डालना चाहते। हम देश का खर्च बढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि उसे कम करने के लिए आए हैं। यदि हमें इसका थोड़ा सा भी संकेत मिल जाए कि ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि (विपक्षी) गठबंधन का नाम 'इंडिया' है, तो हम अपना नाम बदल देंगे।''

उन्होंने कहा कि संविधान में देश के नाम के रूप में 'इंडिया' और भारत दोनों का उल्लेख किया गया है, लेकिन 'इंडिया' को कानून से नहीं हटाया जाना चाहिए। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा, ''यह हमारे संविधान में लिखा है। दोनों नाम हैं, हम दोनों नाम इस्तेमाल करते हैं। यदि आप प्रधानमंत्री के विमान को देखें जिसमें वह आज इंडोनेशिया जा रहे हैं, तो उस पर दोनों नाम हैं - 'इंडिया' भी और 'भारत' भी।''

'गुरु व बड़ों का सम्मान न करने से गुरु ग्रह के अशुभ परिणाम प्राप्त होते हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर स्थित वैष्णव भवन में आयोजित सत्संग कार्यक्रम में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए श्री बालाजी मठ मंदिर लोक न्यास ग्वालियर के चेयरमैन एवं गौमाता गौरक्षा फाउंडेशन के राष्ट्रीय मंत्री भानूप्रताप दुबे ने सत्संग के आखिरी दिन ग्रहों के दुष्प्रभाव से प्रभावित न होने के लिए कुछ नियम बताएं। उन्होंने कहा कि झूठे हाथ सिर पर लगाने से सूर्य ग्रह का परिणाम अशुभ प्राप्त होगा।। पानी व्यर्थ फैलाने से चंद्र ग्रह का परिणाम अशुभ प्राप्त होगा। क्रोध करने से मंगल ग्रह का परिणाम अशुभ प्राप्त होगा।

झूठ बोलने से बुध ग्रह का परिणाम अशुभ प्राप्त होगा। गुरु व बड़ों का सम्मान न करने से गुरु ग्रह का परिणाम अशुभ प्राप्त होगा। पत्नी अथवा स्त्री का सम्मान न करने से शुक्र ग्रह का परिणाम अशुभ प्राप्त होगा। आलस करने से शनि ग्रह का परिणाम अशुभ होता। चुगली करने से राहु का परिणाम अशुभ प्राप्त होगा। किसी भिखारी या भिक्षुक का मजाक उड़ाने से केतु का परिणाम अशुभ प्राप्त होगा।

कर्मों के बादल हमारे सम्यक ज्ञान व दर्शन को ढक सकते हैं : संत राजाराम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां सीरवी समाज एच.एस.आर लेआउट वडेर के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम चातुर्मास विराजित संत शीतल राजाराम महाराज पुष्कर धाम ने प्रवचन में कहा कि सम्यक्दृष्टि जीव गृहस्थ अवस्था में रहते हुए भी निर्लिप्त रहता है। उसे संसार से कोई लेना देना नहीं रहता है। जिस प्रकार सूर्य चमकता है और उसके ऊपर अगर बादल आ जाए तो सूर्य ढक जाता है, उसी प्रकार कर्मों के आवरण के कारण हमारा सम्यग ज्ञान और सम्यग दर्शन ढका हुआ है और हम संसार में परिभ्रमण कर रहे है। भरत चक्रवर्ती गृहस्थ अवस्था में रहते हुए भी निर्लिप्त से थे। हम कर्मों के कारण अनादिकाल से संसार में परिभ्रमण कर रहे है। शीतल संत ने कहा कि हमें यह चिंतन करना चाहिए हम कौन हैं और कहां से आए हैं कहा जाना हैं। अगर हम सम्यक दृष्टि जीवात्मा हैं, तो थोडे कर्मों के बाद हमारा मोक्ष जाना निश्चित है। इस कार्यक्रम में गेनाराम सेंणचा, मांगीलाल सोलंकी, प्रभूराम परिहार, जोगाराम काग, मोहनलाल राठौड़, नवयुवक मंडल के सचिव मदनलाल राठौड़, किशोर राठौड़ एवं महिला मंडल गेर मंडल की बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

'हिमाचल के बागबान परेशान, सेब की पेटियां एक तिहाई दाम में बिक रहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बुधवार को आरोप लगाया कि हिमाचल प्रदेश में अडाणी समूह द्वारा सेब की खरीद का मूल्य जारी किए जाने के कारण सेब की पेटियां पहले के मुकाबले एक तिहाई कम दाम में बिक रही हैं जिससे बागबान परेशान हैं। उन्होंने यह सवाल भी किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस 'लूट' को रोकने के लिए कुछ कर क्यों नहीं रहे हैं? उन्होंने ट्वीट किया, ''आपदा के इस कठिन दौर में जहां हिमाचल प्रदेश के बाग़बानों पर पहले से ही परेशानियों का पहाड़ टूट रहा था, प्रधानमंत्री जी के मित्र अडानी उनकी परेशानियों को क्यों बढ़ा रहे हैं?''

प्रियंका गांधी ने कहा कि खबरों के मुताबिक़ अडाणी द्वारा खरीद के दाम जारी करने के बाद सेब की पेटियां पहले के मुकाबले एक तिहाई कम दाम में बिक रही हैं। उन्होंने कहा, ''आपदा के समय ऐसा करना शर्मनाक है। जहां हिमाचल प्रदेश के किसानों और बाग़बानों को मदद की ज़रूरत है, वहां उन्हें तोड़ा जा रहा है ।'' कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि प्रधानमंत्री जी इस लूट को रोकने के लिए कुछ कर क्यों नहीं रहे?' अडाणी समूह की इस मामले पर अभी प्रतिक्रिया नहीं आई है। हिमाचल प्रदेश में हाल के दिनों में भारी बारिश के कारण जानमाल का बहुत नुकसान हुआ है।

आतंकवाद को सख्ती से कुचल दिया जाएगा : जम्मू-कश्मीर डीजीपी

राजौरी/जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) दिलबाग सिंह ने बुधवार को राजौरी और पुंछ में सुरक्षा समीक्षा के बाद कहा कि क्षेत्र में शांति भंग करने की पाकिस्तान की किसी भी नई साजिश को विफल करने के लिए यहां आतंकवादियों के समर्थकों से सख्ती से निपटा जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि सुरक्षा ग्रिड को मजबूत किया गया है और बड़े पैमाने पर छापेमारी के साथ-साथ क्षेत्र पर नियंत्रण सुनिश्चित किया गया है। सिंह ने कहा कि क्षेत्र में शांति भंग करने की पाकिस्तान की किसी भी नई साजिश को विफल करने के लिए पाकिस्तान में शरण लिए हुए गद्दारों और जम्मू-कश्मीर में उनके समर्थकों के बीच सीमा पार संबंध को खत्म किया जाएगा। पुलिस प्रमुख ने राजौरी जिले में पत्रकारों से कहा, किसी भी परिस्थिति में, हम राजौरी और पुंछ जिलों में आतंकवाद को फिर से अपना बदसूरत सिर उठाने नहीं देंगे। आतंकवाद को सख्ती से कुचल दिया जाएगा और आतंकवाद का समर्थन करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा।

विजयन ने 'इंडिया' नाम बदलकर 'भारत' करने के कथित कदम की आलोचना की

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने देश का नाम 'इंडिया' से बदलकर केवल 'भारत' करने के केंद्र सरकार के कथित कदम की बुधवार को आलोचना की और कहा कि यह देश के बहुलवाद को नष्ट करने के लिए सत्तारूढ़ शासन द्वारा लगातार किए जा रहे प्रयासों का एक हिस्सा है। विजयन ने एक बयान में कहा कि कोई भी राजनीतिक निर्णय देश के हितों के खिलाफ नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मौजूदा मामले में, देश का नाम बदलने का कथित कदम अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक है।

यह सवाल करते हुए कि केंद्र 'इंडिया' शब्द से डरता क्यों है, उन्होंने मांग की कि केंद्र सरकार देश का नाम बदलने के लिए उठाए गए कदम को वापस ले। विजयन ने लोगों से ऐसी संकीर्ण मानसिकता वाली राजनीति के खिलाफ मिलकर विरोध करने का आग्रह भी किया।

जी-20 रात्रिभोज के लिए भेजे गए निमंत्रण पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पद का उल्लेख पारंपरिक रूप से 'प्रेजीडेंट ऑफ इंडिया' के बजाय 'प्रेजीडेंट आफ भारत' के तौर होने के बाद देश में राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया है।

जी20 सम्मेलन में मेहमानों को गीता का ज्ञान देगा खास ऐप

नई दिल्ली/भाषा। भारत सप्ताह के अंत में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान विदेशी प्रतिनिधियों के समक्ष अपनी डिजिटल ताकत को प्रदर्शित करेगा जिसमें आधार और यूपीआई जैसे प्रौद्योगिकी मंचों को दर्शाने के साथ 'गीता' ऐप के जरिये जीवन को समझने का मौका भी मिलेगा।

राजधानी के प्रगति मैदान में नवनिर्मित सम्मेलन स्थल 'भारत मंडपम' में नौ एवं 10 सितंबर को जी20 शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन में शामिल होने के लिए आने वाले मेहमानों के स्वागत के लिए समूचे नई दिल्ली क्षेत्र को विशेष रूप से सजाया-संवारा गया है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने भारत मंडपम में डिजिटल इंडिया का एक अनुभव क्षेत्र भी स्थापित किया है जहां पर पिछले कुछ वर्षों में देश को हासिल प्रौद्योगिकी उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाएगा। यहां पर विदेशी मेहमानों को पवित्र ग्रंथ गीता की शिक्षाओं एवं उसके दर्शन को समझने का मौका एक विशेष ऐप के जरिये मिल सकेगा। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को कहा कि 'आस्क गीता' एक ऐसा माध्यम होगा जिसके माध्यम से विदेशी मेहमान इस पवित्र ग्रंथ में उल्लिखित शिक्षाओं के अनुरूप जीवन से जुड़े विविध पहलुओं को समझ सकेंगे।

बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के लिए मंत्रिमंडल ने 3,760 करोड़ रुपये स्वीकृत किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने देश में 4,000 मेगावाट घंटा (एमडब्ल्यूएच) की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली की स्थापना पर आने वाली 40 प्रतिशत लागत के वित्तपोषण के लिए 3,760 करोड़ रुपये के कोष की बुधवार को मंजूरी दी। केंद्रीय मंत्रिमंडल की यहां हुई बैठक में इस व्यवहार्यता अंतर कोष (वीजीएफ) को स्वीकृति दी गई। इस कोष के जरिये देश में बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली की स्थापना पर आने वाली कुल लागत के 40% हिस्से का वित्तपोषण किया जाएगा।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंत्रिमंडल में लिए गए इस फैसले की संवाददाताओं को जानकारी देते हुए कहा कि पूरे 3,760 करोड़ रुपये के इस कोष का बोझ केंद्र सरकार उठाएगी। ठाकुर ने कहा कि इस राशि को पांच किस्तों में जारी किया जाएगा जिससे देशभर में 4,000 मेगावाट घंटा बैटरी ऊर्जा की भंडारण क्षमता स्थापित की जाएगी। इस वित्तपोषण से कुल 9,500 करोड़ रुपये का निवेश होने की उम्मीद है। उन्होंने नवीकरणीय ऊर्जा की दिशा में हुई प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि सौर ऊर्जा उत्पादन वर्ष 2014 के 2.6 गीगावाट से बढ़कर वर्तमान में 71 गीगावाट हो गया है जबकि पवन ऊर्जा उत्पादन 21 गीगावाट से बढ़कर 40 गीगावाट हो गया है। ठाकुर ने कहा कि भारत बिजली मांग का 25% नवीकरणीय स्रोतों से पूरा कर रहा है जिसमें बड़े पनबिजली संयंत्र भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि भारत को दिन के 24 घंटे नवीकरणीय ऊर्जा की आपूर्ति संभव बनाने के लिए 'बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली' (बीईएसएस) गठित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''बीईएसएस के जरिये संग्रहीत नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग अधिकतम बिजली खपत के घंटों में किया जा सकेगा।'' ऊर्जा भंडारण प्रणाली का गठन वर्ष 2030 तक 50% ऊर्जा जरूरतें नवीकरणीय ऊर्जा एवं गैर-जीवाश्म ऊर्जा स्रोतों से पूरा करने के भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के लिए अहम है।

बयान के मुताबिक, इस कदम से बैटरी भंडारण प्रणालियों की व्यवहार्यता बढ़ाकर उनकी लागत में कमी आने की उम्मीद है। सौर एवं पवन ऊर्जा की क्षमता का दोहन करने के लिए बनाई गई इस योजना का उद्देश्य नागरिकों को स्वच्छ, विश्वसनीय और सस्ती बिजली प्रदान करना है।

वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियां स्व-नियामक संगठन गठित करें : शक्तिकांत दास

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) कंपनियों से उद्योग की व्यवस्थित वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए जल्द से जल्द स्व-नियामक संगठन (एसआरओ) गठित करने को कहा है। दास ने कहा, वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों को देश के कानून के अनुरूप उद्योग की सर्वोत्तम प्रक्रिया, निजता और डेटा सुरक्षा मानदंड विकसित करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, मैं इस अवसर का उपयोग वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों से स्वयं एक एसआरओ गठित करने के लिए आग्रह करने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए करना चाहूंगा। उन्होंने इस प्रक्रिया में आरबीआई से हरसंभव मदद देने का आश्वासन भी दिया। केंद्रीय बैंक के गवर्नर ने कहा कि वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों को एसआरओ को जल्द से जल्द गठित कर लेना चाहिए। उम्मीद है कि इस सालाना कार्यक्रम के अगले संस्करण से पहले यह तैयार होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अन्य उद्योगों के भी एसआरओ हैं। इससे उद्योग को अपनी आवाज उठाने में मदद मिलती है। उन्होंने यह भी कहा कि एसआरओ होने से आरबीआई के कंधों से एक गतिशील क्षेत्र को संभालने का बोझ कम हो जाएगा। दास ने कहा कि नियामक मध्यस्थता देखने, मौजूदा कानूनों का अनुपालन सुनिश्चित करने और तकनीकी प्रगति के अनुसार नियमों को अपनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कतर निवेश प्राधिकरण ने रिलायंस रिटेल में 1% हिस्सेदारी खरीदी

नई दिल्ली/भाषा। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बुधवार को कहा कि उसे अपनी खुदरा इकाई रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) में हिस्सेदारी अधिग्रहण के एवज में कतर निवेश प्राधिकरण (क्यूआईए) से 8,278 करोड़ रुपये मिल गए हैं। इस सौदे के तहत रिलायंस ने देश की अग्रणी खुदरा विक्रेता फर्म आरआरवीएल के 6.86 करोड़ शेयर कतर के सरकारी निवेश कोष क्यूआईए को आवंटित कर दिए हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने शेयर बाजारों को दी गई सूचना में कहा, ''रिलायंस रिटेल को क्यूआईए से 8,278 करोड़ रुपये की खरीद राशि मिल गई और उसने क्यूआईए की अनुषंगी कतर होल्डिंग एलएलसी को 6,86,35,010 शेयर आवंटित कर दिए।'' यह निवेश क्यूआईए के पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई कतर होल्डिंग ने किया है। इस सौदे का मूल्य एक अरब डॉलर यानी 8,278 करोड़ रुपये रहा।

'आप' के साथ गठबंधन का विरोध कर रहे पार्टी के नेताओं को सिद्धू ने दी नसीहत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने बुधवार को कहा कि पार्टी आलाकमान का फैसला ही सर्वोच्च है। उनकी यह टिप्पणी राज्य कांग्रेस नेताओं द्वारा पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) से गठबंधन का विरोध किए जाने की प्रतिक्रिया में आई है।

क्रिकेटर से नेता बने सिद्धू का यह बयान राज्य में सत्तारूढ़ दल आप के साथ किसी भी तरह के गठबंधन को लेकर पंजाब कांग्रेस के नेताओं की ओर से उठाई जा रही कड़ी आपत्ति के बीच आया है।

सिद्धू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा, ''पार्टी आलाकमान का निर्णय सर्वोच्च है। यह एक अच्छे उद्देश्य के लिए है। संविधान की भावना का सम्मान करने के लिए राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखा गया है।'' उन्होंने कहा, ''हमारे लोकतंत्र की रक्षा के लिए निहित स्वार्थों से भरी राजनीति को त्याग दिया जाना चाहिए। चुनाव सिर्फ अगले कार्यकाल तक के लिए नहीं लड़े जाते, ये अगली पीढ़ी के लिए लड़े जाते हैं। जय हिंद। जुड़ेगा भारत।'' पंजाब में कांग्रेस नेताओं ने मंगलवार को कहा था कि वे 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए पंजाब में आप के साथ किसी भी तरह के गठबंधन के खिलाफ हैं। कांग्रेस और आप दोनों 'इंडिया' गठबंधन के घटक दल हैं।

सोनिया के पत्र पर कविता का सवाल: महिला आरक्षण विधेयक का उल्लेख क्यों नहीं?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता तेलंगाना विधान परिषद की सदस्य के. कविता ने बुधवार को सवाल किया कि कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी द्वारा संसद के विशेष सत्र के संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे पत्र में महिला आरक्षण विधेयक को पारित कराने की मांग का उल्लेख क्यों नहीं किया गया है।

सोनिया गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया कि 18 सितंबर से शुरू होने वाले संसद के विशेष सत्र के दौरान देश की आर्थिक स्थिति, जातीय जनगणना, चीन के साथ सीमा पर गतिरोध और अडाणी समूह से जुड़े नए खुलासों की पृष्ठभूमि में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित करने की मांग समेत नौ मुद्दों पर उचित नियमों के तहत चर्चा कराई जाए। कविता ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''यह देखकर दुख हुआ कि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष और सांसद सोनिया गांधी जी ने महिला आरक्षण विधेयक पर चर्चा की तत्काल जरूरत को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया।''

उन्होंने कहा, ''सोनिया जी, राष्ट्र लैंगिक समानता के लिए आपकी सशक्त पैरवी का इंतजार कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी को लिखे आपके पत्र में हमें नौ महत्वपूर्ण मुद्दे देखने मिले, लेकिन महिला आरक्षण विधेयक क्यों नहीं है? क्या महिलाओं का प्रतिनिधित्व एक राष्ट्रीय महत्व का विषय नहीं है?'' कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में आग्रह किया कि देश की आर्थिक स्थिति खासकर महंगाई बेरोजगारी एवं छोटे उद्योगों पर संकट, किसान संगठनों के साथ समझौते के तहत एमएसपी लागू करने समेत किए गए कई वादों, अडाणी समूह से संबंधित जेपीसी की मांग, जातीय जनगणना कराने की मांग, केंद्र एवं राज्यों के संबंधों को नुकसान पहुंचाए जाने, प्राकृतिक आपदा के प्रभाव, चीन के साथ सीमा पर तनाव, हरियाणा एवं देश के कुछ अन्य हिस्सों में सांप्रदायिक तनाव और मणिपुर के मुद्दे पर विशेष सत्र में चर्चा की जाए।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव की पुत्री कविता महिला आरक्षण विधेयक को पेश करने और पारित करने की मांग को लेकर इस साल मार्च की शुरुआत में भूख हड़ताल पर बैठी थीं और इस पर कानून बनाने की मांग पर जोर देने के लिए कई राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों के साथ बातचीत की थी।

परमेश्वर ने हिंदू धर्म की उत्पत्ति पर उठाया सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तुमकुर। तमिलनाडु के खेलमंत्री उदयनिधि स्टालिन की ओर से सनातन धर्म विरोधी टिप्पणी के कुछ दिनों बाद, कर्नाटक के गृह मंत्री डा. जी परमेश्वर ने हिंदू धर्म की उत्पत्ति पर सवाल उठा कर एक और विवाद उत्पन्न कर दिया है। डॉ जी परमेश्वर ने कहा,दुनिया के इतिहास में कई धर्म उभरे हैं। जैन धर्म और बौद्ध धर्म की उत्पत्ति यहीं हुई। हिंदू धर्म की उत्पत्ति कब हुई और इसे किसने बनाया। यह अभी भी एक सवाल है। बौद्ध धर्म की उत्पत्ति हमारे देश में हुई। जैन धर्म की उत्पत्ति हमारे देश में हुई। इस्लाम और ईसाई धर्म विदेश से हमारे देश में आये।

उदयनिधि की विवादास्पद टिप्पणी के बाद, डॉ. परमेश्वर ने कोराटागेरे के मारुति कल्याण मंडपम में शिक्षक दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम में यह बयान दिया। इससे पहले, उदयनिधि स्टालिन ने कहा था कि भारत से सनातन धर्म को खत्म कर देना चाहिए। उन्होंने सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया से की।

इस बयान ने पूरे भारत में उथल-पुथल मचा दी। उदयनिधि की टिप्पणी को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इंडिया ब्लॉक के खिलाफ तीखा हमला बोला और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री व द्रमुक प्रमुख एमके स्टालिन के पुत्र से माफी की मांग की। भाजपा ने यह भी दावा किया कि हाल ही में मुंबई में हुई बैठक में ऐसे एजेंडे पर चर्चा हुई थी। उदयनिधि इस बात पर अड़े हुए हैं कि वह अपने बयान पर कायम हैं और उन्होंने स्पष्ट किया कि वह हिंदू धर्म के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि सनातन धर्म में जाति प्रथाओं के खिलाफ हैं।

गृह मंत्री के हिंदू धर्म की उत्पत्ति वाले बयान पर भाजपा का पलटवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। हिंदू धर्म की उत्पत्ति पर सवाल उठाने को लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता केएस. ईश्वरप्पा ने कहा कि कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर बिना शर्त माफी मांगें। बागलकोट में पत्रकारों से बात करते हुए ईश्वरप्पा ने कहा, 'आप या तो माफी मांगें या अपने परदादाओं का नाम लेकर आएं।'

ईश्वरप्पा ने कहा, 'राज्य के गृह मंत्री परमेश्वर को ऐसी टिप्पणियां नहीं करनी चाहिए। यह सिर्फ सुर्खियां बटोरने की उनकी हताशा को दर्शाता है।' ईश्वरप्पा ने कहा, 'मैं परमेश्वर को बताना चाहता हूं कि उन्हें हिंदू धर्म पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है। परमेश्वर के पिता गंगाधरप्पा हैं। उनके दादा मरियप्पा हैं। उन्हें अपने परदादा का नाम बताने दीजिए।' ईश्वरप्पा ने कहा, हिंदू धर्म पूरे विश्व को एक परिवार मानता है। क्या हिंदू धर्म पर टिप्पणी करना सही है?

हिंदू धर्म सभी धर्मों का आधार है : सदानंद गौड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर की ओर से हिंदू धर्म की उत्पत्ति पर सवाल उठाने के बाद, कर्नाटक भारतीय जनता पार्टी नेता और पूर्व मुख्यमंत्री डीवी सदानंद गौड़ा ने बुधवार को कहा कि हिंदू धर्म की जड़ें हजारों वर्ष पुरानी हैं, और यह सभी धर्मों का आधार है। गौड़ा ने संवाददाताओं से कहा कि हिंदू धर्म की जड़ों को कोई नहीं समझ सकता क्योंकि यह हजारों वर्ष पुराना है, अन्य धर्मों के विपरीत जो बहुत बाद में अस्तित्व में आए हैं। यह सभी धर्मों का आधार है और यहीं से सभी प्रकार के बदलाव शुरू हुए हैं। डॉ. परमेश्वर ने शिक्षक दिवस समारोह के अवसर पर कोरतागेरे में एक कार्यक्रम में अपने भाषण में हिंदू धर्म की उत्पत्ति पर सवाल उठाया था।

भाजपा नेता और पूर्व मंत्री डॉ सीएन अश्वथ नारायण ने डॉ. परमेश्वर पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके लिए अहंकारी होना अच्छी बात नहीं है और पूछा कि क्या उनमें अन्य धर्मों के खिलाफ ऐसी कोई टिप्पणी करने की हिम्मत है। उन्होंने कहा, परमेश्वर एक विद्वान व्यक्ति हैं और उन्हें समझना चाहिए कि इस प्रकार का अहंकार उनके लिए अच्छा नहीं है। अगर उनमें जरा भी हिम्मत या स्पष्टता है, तो उन्हें अन्य धर्मों के बारे में बोलने दीजिए। उन्हें हमारे धर्म का अपमान नहीं करना चाहिए। अगर वह इस धर्म से खुश नहीं है, तो उन्हें इस धर्म को छोड़ देना चाहिए और कोई और धर्म अपनाना चाहिए; उन्हें कौन रोक रहा है? उन्हें अपना नाम बदलने दीजिए।

ये टिप्पणियां तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन की सनातन धर्म के खिलाफ की गई टिप्पणी के बाद की गई हैं। उन्होंने सनातन धर्म की तुलना मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियों से करते हुए इसका विनाश करने का आह्वान किया था। भारतीय जनता पार्टी सनातन धर्म और हिंदू धर्म विरोधी होने के लिए इंडिया ब्लॉक की आलोचना कर रही है और इसे हिंदू-विरोधी गठबंधन के रूप में चित्रित कर रही है।

बेंगलूरु में 12 तक भारी बारिश की चेतावनी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 12 सितंबर तक बेंगलूरु समेत पूरे कर्नाटक में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। उत्तर कन्नड़, दक्षिण कन्नड़ और उडुप्पी के तटीय जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। उत्तरी कर्नाटक के बीदर, कलबुर्गी, कोप्पल, रायचूर और पहाड़ी जिले कोडागु में भी येलो अलर्ट जारी किया गया है।

बेंगलूरु ग्रामीण, बेंगलूरु शहरी, चामराजनगर, चिक्कबल्लापुर, चिक्कमगलुरु, चित्रदुर्गा, दावणगेरे, बेल्लारी, विजयनगर, हसन, कोलार, मंड्या, मैसूरु, रामनगर, शिवमोग्गा और तुमकुरु के दक्षिण जिलों में अच्छी बारिश होगी। उत्तर कर्नाटक के बागलकोट, बेलगावी, बीदर, धारवाड़, यादगीर और विजयपुरा जिलों में कम वर्षा होगी। तटीय कर्नाटक और उत्तरी जिलों में बिजली और गरज के साथ बारिश होने की संभावना है।

बेंगलूरु शहर बुधवार सुबह किसी हिल स्टेशन जैसा लग रहा था। पूरे शहर में बादल छाए हुए हैं और बूंदाबांदी हो रही है। बारिश के कारण मुख्य बेंगलूरु-बन्नरघट्टा रोड पर पानी भर गया, जिससे वाहन सवारों को भारी असुविधा हुई। कुछ प्रमुख आईटी कंपनियां बन्नरघट्टा रोड पर स्थित हैं और प्रतिष्ठित भारतीय प्रबंधन संस्थान-बेंगलूरु भी सड़क के इसी हिस्से पर स्थित है।

श्रीकृष्ण जयंती

बुधवार को बेंगलूरु के रवीन्द्र कला क्षेत्र में कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित 'श्रीकृष्ण जयंती' का उद्घाटन मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने किया। कार्यक्रम में कन्नड़ और संस्कृति मंत्री शिवराज एस थंगदागी ने परिचयात्मक भाषण दिया, समारोह में चित्रदुर्गा जिले के श्री कृष्ण यादव महासंस्थान मठ के यादवानंदश्री के सान्निध्य में विधान परिषद सदस्य नागराज यादव, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार नसीर अहमद समेत कई अन्य नेता मौजूद थे।

अधिक मुआवजे के लिए किसानों की मौत को आत्महत्या बताया जा रहा : पाटिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हावेरी। कर्नाटक के मंत्री शिवानंद पाटिल ने कहा है कि कुछ किसान नेता और एसोसिशन अधिक मुआवजे की खातिर कृषकों की मृत्यु को 'आत्महत्या' के रूप में पेश कर रहे हैं और जब से किसानों के आत्महत्या करने पर उनके परिजनों को दी जाने वाली क्षतिपूर्ति राशि बढ़ाकर पांच लाख रुपये की गयी है तब से ऐसी घटनाओं की खबरें कुछ ज्यादा बढ़ गई हैं। यहां एक बैठक की समीक्षा करने के बाद कृषि विपणन, कपड़ा और गन्ना विकास मंत्री पाटिल ने दावा किया कि एक घटना में यह साबित हुआ कि शराब पीने से हुई एक युवा की मौत को खुदकुशी के रूप में पेश किया गया। मंत्री ने कहा, 'कुछ किसान एसोसिएशन के नेता कुछ राहत के लिए झूठी रिपोर्ट देते हैं।'

उन्होंने कहा कि (किसानों की आत्महत्या के) असली मामलों में क्षतिपूर्ति प्रदान करना जिला प्रशासन और राज्य सरकार की जिम्मेदारी है और उस मोर्चे पर तो कोई गड़बड़ी नहीं है। पाटिल ने पत्रकारों से कहा, 'आप इसबात पर प्रकाश डालिए कि 2015 से पहले कितने किसानों ने खुदकुशी की और 2015 के बाद ऐसी कितनी घटनाएं हो रही हैं। आपको निश्चित ही पता चल जाएगा। यह मानव की प्रवृति है। लोग गरीब हैं। उनमें एक स्वभाविक सोच है कि यदि उस तरह की क्षतिपूर्ति नहीं मिलती है तो उन्हें (इसे किसान की आत्महत्या बताकर) कुछ तो मिल ही सकती है। उन्होंने कहा, 2015 से पहले (किसानों के आत्महत्या कर लेने पर उनके परिजनों के लिए) मुआवजा बहुत कम था और यह दिया भी नहीं जाता था। उस वक्त कई मामले कभी रिपोर्ट नहीं किये जाते थे। 2015 के बाद जब हमने पांच लाख रुपये का मुआवजा देना शुरू किया तब किसानों की आत्महत्या के मामलों की रिपोर्टिंग बढ़ गयी लेकिन (उन दावों में) नाममात्र की सच्चाई होती है। पाटिल के बयान पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा, असंवेदनशीलता का स्तब्धकारी प्रदर्शन करते हुए कर्नाटक के गन्ना विकास एवं एपीएमसी मंत्री शिवानंद पाटिल ने दावा किया कि राज्य में किसानों की आत्महत्याएं शोकसंतप्त परिवार के वास्ते राज्य सरकार द्वारा मुआवजा बढ़ाये जाने के बाद बहुत तेजी से बढ़ रही हैं।

आरएसएस में कब होगा दलित या महिला 'सरसंघचालक': प्रियांक खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे उदयनिधि स्टालिन की सनातन धर्म संबंधी टिप्पणी को लेकर जारी विवाद पर बुधवार को भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बी.एल. संतोष से भिड़ गए। खरगे ने संतोष से सवाल किया, 'आपकी विचारधारा ने गुरु नारायण, बसवन्ना, बाबासाहेब का विरोध किया और अब भी कर रहे हैं। कोई आश्चर्य नहीं। हमें गलत साबित करें और बताएं कि आरएसएस बदल गया है और एक समान समाज में विश्वास करता है। मुझे बताएं, आरएसएस में सरसंघचालक के रूप में कोई दलित या महिला कब होगी?'

बी.एल. संतोष ने खरगे की पिछली टिप्पणियों का जवाब देते हुए बुधवार को कहा, तथ्यों के बारे में बात करते समय आप इसे व्हाट्सएप विश्वविद्यालय कहते हैं जिसके कांग्रेसी कुलपति हैं। यह पिछले दिनों चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण के दौरान स्पष्ट हुआ। इससे पहले, मंत्री प्रियांक ने संतोष के उस पोस्ट का जवाब देते हुए जाति विभाजन का मुद्दा उठाया था जिसमें भाजपा नेता ने सनातन धर्म के उन्मूलन के संबंध में की गई टिप्पणी पर कहा था कि पेट में संक्रमण होने पर सिर नहीं काटा जा सकता।

संतोष ने बहस जारी रखते हुए प्रियांक खरगे को संबोधित करते हुए कहा, आप चर्चा में लगे हुए हैं। अच्छा है। सुधार और शोषण समस्या को देखने के दो तरीके हैं। बुद्ध से लेकर अन्ना बसवन्ना और डॉ. बी.आर. अम्बेडकर तक ने समाज सुधार का प्रयास किया। वे इसमें सफल रहे।

संतोष ने कहा, 'बस कुछ संदेह है प्रियांक सर.. कांग्रेस यदि डॉ. बी.आर. अम्बेडकर का इतना सम्मान करती थी तो उन्हें चुने जाने की अनुमति क्यों नहीं दी? क्या आप जानते हैं कि प्रचारक दत्तोत्पंत ठेंगड़ी ने डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की सहायता की थी? इसका जवाब देते हुए, प्रियांक खरगे ने कहा, 'आपके संदेहों को दूर करने में हमेशा खुशी होगी, सर। यदि

आपने बाबासाहेब के लेखों को पर्याप्त रूप से पढ़ा होता, तो आप इस तरह के अनभिज्ञता वाले सवाल नहीं पूछते। और हमेशा की तरह वास्तविक विषय से दूर भाग रहे हैं।'

प्रियांक ने एक पोस्ट में कहा, 'मुझे कुछ ऐतिहासिक तथ्य साझा करने दीजिए (ये आपको आपके व्हाट्सएप विश्वविद्यालय के अभिलेखागार में नहीं मिलेंगे।) बाबासाहेब और कांग्रेस के बीच कई बहसें और मतभेद थे, उन्होंने खुद एक किताब लिखी है। इसे पढ़ें। जब वह अनुसूचित जाति फेडरेशन पार्टी से बॉम्बे नॉर्थ सेंट्रल निर्वाचन क्षेत्र से खड़े हुए, तो हिंदू महासभा ने भी उनके खिलाफ चुनाव लड़ा।

बाद में, बंगाल के विभाजन के कारण डॉ. अंबेडकर अपनी विधानसभा सीट हार गए, जिससे पश्चिम बंगाल में संविधान सभा के लिए नए सिरे से चुनाव की आवश्यकता हुई और जब यह स्पष्ट हो गया कि बाबासाहेब विधानसभा में नहीं रह सकते, तो कांग्रेस ने उनके मूल्य को पहचाना और उनके लिए काम करने का फैसला किया। 30 जून 1947 को डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने बॉम्बे के प्रधानमंत्री बी.जी. खेर को पत्र लिखकर अनुरोध किया कि डॉ. बी.आर. अंबेडकर को कांग्रेस के टिकट पर विधानसभा के लिए चुना जाए।

आपके वैचारिक गुरुओं ने न केवल बाबासाहेब का विरोध किया, बल्कि पहले भी बंगाल और सिंध, उत्तर पश्चिम सीमांत प्रांत में मुस्लिम लीग के साथ गठबंधन सरकारें चलाईं। दत्तोपंत ठेंगड़ी और बाबासाहेब का रिश्ता आरएसएस की कल्पना और व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी की उपज है, इसलिए इसे रहने दीजिए। क्या आप जानते हैं कि बाबासाहेब के बौद्ध धर्म अपनाने के बाद सावरकर ने क्या कहा था? वह कहते हैं, जब सनातन हिंदू बहुसंख्यक गांवों से आने वाले ये महार 'अछूत' लोग नागपुर में बौद्ध धर्म अपनाने के बाद अब अपने गांवों में वापस जाएंगे तो क्या उन्हें 'स्पृश्य' माना जाएगा क्योंकि उन्होंने अब बौद्ध धर्म अपना लिया है? यह असंभव है।

बाबासाहेब ने बौद्ध धर्म अपनाया क्योंकि यह सबसे वैज्ञानिक धर्म था। उन्होंने कहा, ऋग्वेद के भजनों में, हम मनुष्य के विचारों को खुद से दूर, देवताओं की दुनिया की ओर मुड़ते हुए देखते हैं। बौद्ध धर्म, मनुष्य की खोज को उसके भीतर छिपी संभावनाओं की ओर निर्देशित करता है... जबकि वेद देवताओं की प्रार्थना, स्तुति और पूजा से भरे हुए हैं, बौद्ध धर्म का उद्देश्य मन को सही तरीके से कार्य करने के लिए प्रशिक्षित करना है।

'इंडिया' को 'भारत' में बदलने से कुछ हासिल नहीं होगा : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि देश का नाम इंडिया' से भारत' करने से कोई उद्देश्य पूरा नहीं होगा जब तक कि इससे लोगों को फायदा न हो। इंडिया-भारत नामकरण विवाद के बीच, उन्होंने भाजपा नीत केंद्र सरकार पर कटाक्ष करते हुए उनसे सवाल किया कि उनका कौन सा वादा पूरा हुआ है। शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, देश बदलना महत्वपूर्ण है, नाम बदलना नहीं। देश में बदलाव होना चाहिए, जिसे वे 'भारत' कह रहे हैं, उस भारत में कुछ बदलाव होना चाहिए। उन्होंने पूछा, 'नाम बदलने से आपको क्या मिलेगा? क्या आपके रहन-सहन में कोई बदलाव आया है? क्या आपकी

आय दोगुनी हो गई है? क्या आपके जीवन में कोई परिवर्तन हुआ है? क्या आपको नौकरी मिल गयी? क्या आपके बैंक खातों में 15 लाख रुपये जमा हुए हैं?' शिवकुमार ने कहा कि पहले वादों को पूरा करना होगा। उन्होंने दावा किया कि नौकरियां प्रदान करने, महंगाई को नियंत्रित करने और बैंक खातों में 15 लाख रुपये जमा करने जैसा कोई भी वादा पूरा नहीं हुआ। केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा, क्या वो चीजें हुईं? कुछ नहीं हुआ। कई अमीर लोगों, अरबपतियों ने देश छोड़ दिया।

पहले उन्हें इसका उत्तर देने दीजिए। जिन लोगों ने यहां पैसा कमाया, यहां पले-बढ़े, वे जा रहे हैं। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि देश का नाम बदलने से कोई उद्देश्य पूरा नहीं होगा जबकि सबसे पहले आचरण और विचार बदलना होगा।

शिवकुमार ने कहा, 'उन्हें शिक्षा का अधिकार, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, किसानों के लिए भूमि, खाद्य सुरक्षा अधिनियम जैसे कानून लाने दें, जो हमने पेश किए थे। तभी हम (नया नाम) स्वीकार करेंगे।'

बसपा की संसदीय चुनाव को लेकर हुई बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु में बुधवार को बहुजन समाज पार्टी प्रदेश कमेटी द्वारा प्रदेश कार्यालय में 2024 के संसदीय चुनाव को लेकर एक बैठक हुई जिसमें प्रदेश एवं जिला स्तरीय पदाधिकारियों उपस्थित थे। बसपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व राज्यसभा सांसद अशोक सिद्धार्थ, प्रदेश समन्वयक एम. कृष्णमूर्ति, प्रदेश अध्यक्ष मरासांद्रा मुनियप्पा, प्रदेश उपाध्यक्ष गंगाधर बहुजन, प्रदेश महासचिव आर. मुनियप्पा, प्रदेश महासचिव जाकिर हुसैन, प्रदेश कोषाध्यक्ष डॉ. चिन्नप्पा चिक्काहागड़े, प्रदेश महासचिव रेवती राज और चन्नाकेशव, महादेवैया, अशोक चक्रवर्ती ने भाग लिया।

मोदी सरकार 'नाम बदलने वाली' सरकार बनकर रह गई है : प्रियांक खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के आईटी मंत्री प्रियांक खरगे ने बुधवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी सरकार ने सत्ता संभालने के बाद गेम चेंजर होने का दावा किया था, लेकिन वह महज 'नेम चेंजर' बनकर रह गई है। वह इंडिया का नाम बदलकर 'भारत' करने की केंद्र की कथित योजना पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। सोशल मीडिया पर मंत्री खरगे ने कहा कि 2014 से पहले भारत अमेरिका, रूस और ब्रिटेन जैसे विकसित देशों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा था। उन्होंने (भाजपा) गुजरात और उत्तर प्रदेश मॉडल के नाम पर जातियों और जातीय समूहों के बीच नफरत के बीज बोए हैं। अब, उन्होंने एक 'मणिपुर मॉडल' बनाया है।

खरगे ने कहा, बीजेपी से और क्या उम्मीद की जा सकती है जिसने देश को पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे देशों से तुलना करने पर मजबूर कर दिया है? उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भारत में कुशल शासकों ने बिना नाम बदले जमीनी स्तर पर बदलाव

लाए। इस बीच, मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा है कि देश का नाम भारत करने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि संविधान में देश का नाम भारत बताया गया है और यह एक ऐसा नाम है जिस पर सभी सहमत हैं। उन्होंने कहा, इसका नाम बदलने की कोई जरूरत नहीं है।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, हमारे गठबंधन 'इंडिया' के डर से रिपब्लिक ऑफ इंडिया का नाम बदल कर रिपब्लिक ऑफ भारत करने पर उतारू हैं। शिवकुमार ने कहा, कोई देख सकता है कि भाजपा और केंद्र सरकार आगामी लोकसभा चुनावों में अपनी हार देख रही है। भारतीय मुद्रा पर इंडिया नाम है और इसे बदलने का प्रयास किया जा रहा है।

महिला ने लिव-इन पार्टनर की चाकू मारकर हत्या की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु में एक युवती ने अपने लिव-इन पार्टनर की चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह घटना मंगलवार को हुलिमावु पुलिस स्टेशन क्षेत्र में हुई। महिला की पहचान बेलगावी की 24 वर्षीय रेणुका और मृतक की पहचान केरल के 29 वर्षीय जावेद के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, सेलफोन रिपेयर करने वाले रेणुका और जावेद अक्षय नगर के एक सर्विस अपार्टमेंट में एक साथ रहते थे। दोनों में अक्सर झगड़ा होता था और मंगलवार को किसी बात को लेकर दोनों में जमकर झगड़ा हुआ। गुस्से में आकर रेणुका ने जावेद के सीने में चाकू से वार कर दिया। हालांकि जावेद को तुरंत अस्पताल ले जाने की कोशिश की गई, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और रेणुका को हिरासत में ले लिया है। घटना के संबंध में अधिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

सरकारी स्कूल के छात्रों ने दलित द्वारा पकाया नाश्ता लेने से किया इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन द्वारा धूमधाम से शुरू की गई मुफ्त नाश्ता योजना में करूर जिले में विघ्न पैदा हो गया है क्योंकि अभिभावकों ने अपने बच्चों को एक दलित महिला द्वारा तैयार नाश्ता लेने से मना कर दिया है। ताजा घटना करूर जिले के वेलंचट्टियूर में एक पंचायत संघ प्राथमिक विद्यालय में सामने आई है। आधे छात्रों के माता-पिता ने अपने बच्चों द्वारा दलित रसोइया सुमथी द्वारा पकाया गया नाश्ता खाने पर आपत्ति जताई।

खबर सुनकर करूर जिला कलेक्टर प्रभु शंकर ने स्कूल का दौरा किया और नाश्ता किया। इसके बाद उन्होंने उन माता-पिता को बुलाया जिन्होंने अपने बच्चों को सुमति द्वारा पकाया गया खाना खाने से रोका था और उन्हें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अधिनियम के तहत मामला दर्ज करने सहित सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी थी। हालांकि इसके बाद अधिकांश माता-पिता अपने बच्चों को उसके हाथ का बना नाश्ता खाने देने पर सहमत हो गये, लेकिन अन्य ने विरोध करना जारी रखा।

उन्हें पुलिस ने बुलाया और सख्त चेतावनी दी। कुछ दिन पहले तिरुपुर के एक सरकारी स्कूल के छात्रों ने एक दलित महिला द्वारा बनाए गए नाश्ते को छूने से इनकार कर दिया था। तिरुपुर के कलिंगारायणपालयम पंचायत प्राथमिक विद्यालय के 44 छात्रों में से केवल 12 ने ही एक दलित रसोइया दीपा द्वारा तैयार किया गया नाश्ता खाया।

प्रदर्शन

बुधवार को मंड्या में कन्नड़ कार्यकर्ताओं और किसानों ने तमिलनाडु को कावेरी का पानी छोड़े जाने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

कांग्रेस ने राजस्थान के लिए कोर कमेटी समेत आठ समितियों का गठन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। कांग्रेस ने राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए बुधवार को कोर कमेटी और चुनाव अभियान समिति समेत आठ समितियों का गठन किया। पार्टी के राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर रंधावा की अध्यक्षता में बनी 10 सदस्यीय कोर कमेटी में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट को शामिल किया गया है।

समन्वय समिति में गहलोत और पायलट के अलावा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह समेत कई नेताओं को शामिल किया गया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता गोविंद राम मेघवाल की अध्यक्षता में चुनाव अभियान समिति का गठन किया गया है। प्रदेश सरकार के मंत्री अशोक चांदना इस समिति के सह-अध्यक्ष और राजकुमार शर्मा संयोजक बनाए गए हैं।

विधानसभा अध्यक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सीपी जोशी को घोषणापत्र समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। सांसद नीरज डांगी इस समिति के सह-अध्यक्ष और कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ संयोजक होंगे। हरीश चौधरी की अध्यक्षता में रणनीतिक समिति, मंत्री ममता भूपेश के नेतृत्व में मीडिया एवं संचार समिति, मुरारी लाल मीणा की अगुवाई में प्रचार एवं प्रकाश समिति और प्रमोद जैन भाया की अध्यक्षता में प्रोटोकॉल समिति बनाई गई है। राजस्थान में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं।

राजस्थान में कांग्रेस की हताशा मंच से लेकर सड़कों तक साफ़ दिखाई दे रही है : नड्डा

नई दिल्ली/ जयपुर । भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि राजस्थान में कांग्रेस की हताशा मंच से लेकर सड़कों तक साफ़ दिखाई दे रही है और कांग्रेस के विधायक पार्टी के मंचों से अपनी सरकार में अपनी दुर्दशा की कहानी सुना रहे है। नड्डा ने विधान सभा चुनाव में भाजपा की जीत का दावा करते हुए यह भी कहा कि इस बार राजस्थान में जनता के आशीर्वाद का हाथ भाजपा के साथ है और कांग्रेस पूरी तरफ़ साफ़ है।भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक वीडियो शेयर करते हुए एक्स कर कहा, राजस्थान में कांग्रेस की हताशा मंच से लेकर सड़कों तक साफ़ दिखाई दे रही है।

गठबंधन 'इंडिया' से घबराई भाजपा : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भीलवाड़ा।कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को कहा कि विपक्षी दलों के नए गठबंधन 'इंडिया' से केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार घबरा गई है इसलिए वह 'इंडियाभारत' जैसी बातें उठा रही हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार के पास न तो गरीबों के लिए कोई योजना है और न ही उनके लिए काम करने का हौसला। खरगे ने कहा वे कुछ नहीं करेंगे सिर्फ कांग्रेस को गालियां देते जाएंगे। इसके साथ ही खरगे ने राजस्थान में कांग्रेस सरकार की योजनाओं की सराहना करते हुए इसे गरीब कल्याण व सामाजिक न्याय का बेहतरीन मॉडल बताया और लोगों से गहलोत सरकार को दोबारा सत्ता में लाने की अपील की। खरगे भीलवाड़ा के गुलाबपुरा में आयोजित किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। विपक्षी दलों के नए गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलांयस' ('इंडिया') का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, सर्वदलीय बैठक में हमने सबको मिलाकर... जो हमारे समान दृष्टि से सोचने वाले लोग हैं, उनको मिलाकर हमने एक मजबूत संगठन बनाया। उसका नाम रखा गया 'इंडिया'। 'इंडिया' को देखते ही वह (भाजपा वाले) घबरा रहे हैं... अरे अब इंडिया छोड़ दो, 'भारत' नाम रखो। ...तो 'भारत' नाम रखने आ रहे हैं... संविधान में है... इंडिया मीन्स भारत, ये दोनों शब्द हैं। आपको क्या एतराज है? कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, हम भारत जोड़ो पहले ही बोल रहे हैं। लेकिन आप कुछ न कुछ, क्या नया लाने की कोशिश कर रहे हैं। हमने तो ये संदेश तो 4500 किलोमीटर तक फैलाया कि भारत जोड़ो।

इलाके की एक परियोजना को केंद्र सरकार द्वारा रोके जाने का जिक्र करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, ये मोदी की सरकार कहीं किसी को ऊपर आने नहीं देती और जो कांग्रेस ने पहले किया है उसको मिटाने में उन्हें खुशी होती है। जो जो चीजें हमने कीं, उन्हें वहीं रोक दिया है। उनके पास न योजना है न गरीबों के लिए काम करने का हौसला है न गरीब के लिए नई नई योजना लाने की उनकी फितरत है। वे कुछ नहीं करेंगे, सिर्फ कांग्रेस को गालियां देते जाएंगे। खरगे ने कहा कि कांग्रेस कभी झूठ नहीं बोलती बल्कि उसका हर काम लोगों को मजबूत करने वाला रहा है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का इतिहास बलिदान का रहा है जबकि भाजपा का देश की आजादी में कोई योगदान नहीं रहा। खरगे ने कहा, देश को आजाद कराने वाले भी हम हैं, देश को बचाने वाले भी हम हैं, जान देने वाले भी हम हैं। देश की आजादी के लिए आप लोगों ने... भाजपा वालों ने क्या कुछ किया है? हमारे कांग्रेस के नेता जेल गए, जेल में मरे, आजादी के लिए लड़े... मुझे बताइए कि जनसंघ के लोग और आज के भाजपा के लोग और आरएसएस के लोग ...कितने लोग मरे, कितने लोग जेल गए। जरा हिसाब दें, उनका नाम, कोई है? आपमें से देश की आजादी के लिए कोई नहीं लड़ा, देश एक रखने के लिए कोई नहीं लड़ा। फिर आप हमें गालियां देकर ऊपर आना चाहते हो। उन्होंने कहा, गांधी परिवार देश की आजादी और एकता के लिए अब तक बलिदान देता आया है ..आपके पास कोई नहीं है आप तो बोलने के भी हकदार नहीं। राज्य सरकार की योजनाओं की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि राजस्थान गरीब कल्याण व सामाजिक न्याय का बेहतरीन मॉडल है। उन्होंने कहा, आप एक होकर फिर से कांग्रेस को वापस लाइए, उसे जिताइये। आपको आज जो सहूलियत मिल रही है उससे भी अधिक सहूलियत आपको दिलाएंगे, यह हमारा आपसे वादा है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा सहित वरिष्ठ नेता मौजूद थे। इस अवसर पर गहलोत ने कामधेनु बीमा योजना की शुरुआत की।

कोलकाता विशेष स्थान, वहां के लोग सुसंस्कृत : धनखड़

कोटा। भले ही पश्चिम बंगाल के राज्यपाल पद पर रहते हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ लगातार अनबन होती रहती थी, लेकिन वह राज्य की राजधानी कोलकाता के आकर्षण से अछूते नहीं रहे, जिसे उन्होंने 'आनंद का शहर' कहकर संबोधित किया और इसके लोगों को सुसंस्कृत बताया। धनखड़ ने मंगलवार को कृषि प्रबंधन संस्थान में छात्रों के साथ बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की।

वह कोटा में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही पश्चिम बंगाल की एक लड़की द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। उपराष्ट्रपति ने कहा, जब पश्चिम बंगाल की बात आती है, तो मामला बहुत खास हो जाता है। कोलकाता 'आनंद का शहर' है और पश्चिम बंगाल के लोग बहुत सुसंस्कृत और रचनात्मक हैं तथा वे तेज दिमाग के हैं।

पश्चिम बंगाल की एक छात्रा आसमा ने कक्षा 11वीं और कक्षा 12वीं के पाठ्यक्रम में कमी के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए उपराष्ट्रपति से पूछा, क्या आपको नहीं लगता कि हमारे देश के विकास के लिए, हमारे पाठ्यक्रम को कम नहीं किया जाना चाहिए? इस पर धनखड़ ने जवाब दिया, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) आपके द्वारा उठाई गई समस्या का ध्यान रखती है। राज्यसभा के सभापति धनखड़ ने कहा कि एनईपी को तैयार करने में उनके सहित देश के एक लाख से अधिक लोगों की राय ली गई।

सीकर सीट पर जातीय बदलाव की गणित में ओला एक फिट उम्मीदवार

बाल मुकुंद जोशी
dakshinbharat.com

सीकर। यह पहला मौका है जब सीकर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस में टिकट मांगने वालों की एक लंबी फेहरिस्त है जबकि इससे पहले कभी ऐसा नहीं हुआ कि विधायक राजेन्द्र पारीक के सामने किसी ने गंभीरता पूर्वक टिकट के लिए ताल ठोकी हो। यानी बीते हर चुनाव में टिकट की मांग करने वाले रस्म अदायगी तौर पर आवेदन करते थे और प्रत्याशी की घोषणा के बाद फिर राजेन्द्र पारीक के ही साथ हो जाते थे परंतु इस बार ऐसा नहीं लगता।

एक जानकारी के अनुसार उनके सामने दो दर्जन से अधिक लोगों ने टिकट मांगी है। इनमें से दो-तीन गंभीर दावेदार हैं, जो पूरी शिद्दत से टिकट पाने के लिए प्रयासरत हैं। यह दीगर बात है कि उनकी उठ-बैठ कितनी रंग ला पाती है ? वैसे यह भी सत्य है कि इन दावेदारों में से पांच सात को छोड़ दें तो अन्य के प्रयास अपनी नेतागीरी चमकाने तक ही सीमित है।

मालूम हो कि सीकर विधानसभा सीट पर वर्ष 1990 से ब्राह्मण जाति का कब्जा रहा है। उस समय भाजपा के घनश्याम तिवाड़ी ने पहली बार विधानसभा पहुंच कर इस सीट पर ब्राह्मण प्रत्याशी का हक कायम किया था, जो आज तक बदस्तूर जारी है। तब से लेकर अब तक इस सीट पर, चाहे कांग्रेस हो या फिर भाजपा, जिसका भी उम्मीदवार जीता वह ब्राह्मण जाति से ही रहा है। ऐसे में इस सीट पर ब्राह्मण को ही दोनों सियासी पार्टियां अपना उम्मीदवार बनाती रही हैं। मजे की बात यह है कि सीकर पर इस बार कांग्रेस पार्टी में ब्राह्मण के अलावा जाट जाति के नेता भी नजरे गड़ाए बैठे हैं।

दरअसल जाट और अल्पसंख्यक समुदाय के लोग सीकर सीट पर अपना हक काफी समय से जताते आ रहे हैं लेकिन जातीय गणित में यह सीट परंपरागत रूप से ब्राह्मण के पास रही है, इस बार इस पर सवालिया निशान लग गया है। कांग्रेस में आवेदन करने वालों में इस बार एक प्रमुख चेहरा है प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव फूल सिंह ओला का। ओला सहित कई जाट जाति के कांग्रेस जिला अध्यक्ष सुनीता गठाला व प्रदेश महासचिव कैप्टन अरविंद आदि चेहरों ने भी यह सोचकर उम्मीदवारी के लिए आवेदन किया है कि इस बार पारीक की सियासत 'बूढी' और कमजोर हो गई है। साथ ही बदले हुए समीकरणों में उन्हें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का वरदहस्त प्राप्त है। जग जाहिर है कि पिछले काफी समय से डोटासरा और पारीक में अनबन बनी हुई है जो एक दूसरे को निपटाने तक पहुंच चुकी है। नतीजतन इसी स्थिति का फायदा उठाकर कई जाट युवा नेताओं की बांछें खिली हुई हैं। वैसे सीकर सीट के लिए जाट जाति के जिन उम्मीदवारों ने आवेदन किया है उसमें ओला का कोई तोड़ नहीं है।

दरअसल, ओला को लंबे समय तक संगठन में काम करने का अनुभव है, जिसके आगे दूसरे उम्मीदवार कमजोर दिखते हैं। ओला छात्र राजनीति से ही सक्रिय रहे हैं। वे एन एस यू आई, यूथ कांग्रेस के अलावा कांग्रेस संगठन में कई महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं और आज भी वे प्रदेश कांग्रेस कमेटी में महासचिव पद पर हैं। किसानों की समस्याओं को गहराई से समझने के अलावा ओला एक पढ़े लिखे नेता भी हैं, जिन्होंने सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया और कानून की पढ़ाई भी की है। ओला ने वर्ष 2008 में सीकर विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव भी लड़ा था। हालांकि वह उसमें सफल नहीं हो पाए थे। आज फिर से वे कांग्रेस के माध्यम से विधायक का ताज पहनने में लगे हैं। बहरहाल, देखना यह होगा कि कांग्रेस सीकर विधानसभा क्षेत्र के लिए अपनी परंपराओं को ही कायम रखती है या फिर जातीय गणित को बदलने का साहसिक प्रयास करती है। यह भी सत्य है कि सीकर विधासभा क्षेत्र में कांग्रेस का कोई खास विरोध नहीं है बल्कि व्यक्ति का विरोध है। कांग्रेस आला कमान इस बात को अच्छे से समझ ले तो परिवर्तन संभव है।

पीडब्ल्यूडी के तीन अधिकारी रिश्वत के मामले में पकड़े गये

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने बुधवार को राजस्थान की राजधानी जयपुर में 10 लाख रुपये की कथित रिश्वत के मामले में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मुख्य अभियंता सहित तीन अधिकारियों को पकड़ा है। ब्यूरो ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के अनुसार सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर बुधवार को कार्रवाई की गई। इसके मुताबिक लोक निर्माण विभाग जयपुर के मुख्य अभियंता (भवन) सुबोध कुमार मलिक को उनके निवास पर विभाग के अधिशासी अभियंता (डूंगरपुर) जितेन्द्र कुमार जैन से सहायक अभियंता अनंत कुमार गुप्ता (बांसवाड़ा) के माध्यम से 10 लाख रुपये की रिश्वत राशि लेते-देते पकड़ा गया। ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक हेमन्त प्रियदर्शी ने बताया कि एसीबी मुख्यालय को जानकारी मिली थी कि अधिशासी अभियंता जितेन्द्र कुमार जैन को दिये गये विभागीय स्पष्टीकरण/नोटिस में कोई कार्रवाई नहीं कर नोटिस को फाइल करने की एवज में मुख्य अभियंता सुबोध कुमार मलिक द्वारा 10 लाख रुपये की रिश्वत राशि मांग की जा रही है तथा इनके बीच रिश्वत राशि का लेन-देन हो सकता है।

विजन दस्तावेज 2030 के लिए आपदा प्रबंधन विभाग से जुड़े हितधारकों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वर्ष 2030 तक राजस्थान को देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए मिशन-2030 की मुहिम चलाई है। इसी क्रम में आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के शासन सचिव पूर्ण चन्द्र किशन की अध्यक्षता में बुधवार को शासन सचिवालय में हितधारकों से गहन परामर्श कर सुझाव लिए गए।

बैठक में आपदा प्रबंधन के संबंध में स्टेकहोल्डर्स से विचार-विमर्श किया गया और उन्हें विभागीय योजनाओं की जानकारी भी दी गई। किशन ने कहा कि विजन दस्तावेज 2030 बनाने के लिए हितधारकों के सुझावों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्राप्त सुझावों का विभाग के विजन डॉक्यूमेंट में समावेश किया जाएगा।

बैठक में उन्होंने निर्देश दिए कि प्रदेश के युवाओं और बच्चों को आपदा प्रबंधन के बारे में जागरूक करने के लिए स्कूल तथा कॉलेज स्तर पर आपदा प्रबंधन को पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया जाए। प्रदेश में अब तक 4 हजार 700 आपदा मित्रों को प्रशिक्षित किया गया है। उन्होंने कहा कि बाढ़, सुखा, पाला, शीतलहर, ओलावृष्टि, आकाशीय बिजली जैसी आपदाओं के दौरान विभाग द्वारा तत्काल सहायता उपलब्ध करवाई जा रही है।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में राजस्थान - मिशन 2030 अभियान 30 सितम्बर 2023 तक चलाया जा रहा है। मिशन 2030 के तहत एक करोड़ से भी अधिक प्रदेशवासियों से सुझाव लिए जा रहे हैं। राज्य सरकार इन सभी सुझावों को समाहित कर राज्य का विज़न दस्तावेज 2030 जारी करेगी।

बैठक में आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के अधिकारीगण सहित प्रदेश के प्रबुद्धजन, विषय विशेषज्ञ, हितधारक मौजूद रहे।

स्वागत

बाड़मेर में बुधवार को परिवर्तन संकल्प यात्रा-3 का बाड़मेर पहुँचने पहुंचने पर कन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत का स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता।

ट्रक में आग लगने से चालक जिंदा जला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अजमेर जिले में जयपुर-अजमेर राजमार्ग पर बुधवार को ट्रक में आग लगने से उसका चालक जिंदा जल गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार राजमार्ग पर तबीजी गैस संयंत्र के सामने दोपहिया वाहनों से भरे ट्रक में अज्ञात आग लग गई। मांगलियावास पुलिस थाने के प्रभारी सुनील ताड़ा ने बताया कि चालक हनुमान केबिन से बाहर नहीं आ सका और जिंदा जल गया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चला है। उन्होंने बताया कि जलने से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए ट्रक को सड़क से हटा दिया गया और यातायात सुचारू कर दिया गया। उन्होंने बताया कि मामले की आगे जांच की जा रही है।

विपक्षी दलों के महागठबंधन से भाजपा और आरएसएस घबरा गए हैं : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भीलवाड़ा। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को कहा कि विपक्षी दलों का महागठबंधन बनने से केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) घबरा गया है। इसके साथ ही गहलोत ने यह भी कहा कि राजस्थान में भाजपा द्वारा निकाली जा रही परिवर्तन यात्राएं 'फ्लॉप' हो रही हैं। वह भीलवाड़ा के गुलाबपुरा में आयोजित किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। गहलोत ने कहा कि विपक्षी दलों के महागठबंधन 'इंडिया' के बनने में बहुत बड़ी भूमिका कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की रही है। खरगे मंच पर मौजूद थे।

गहलोत ने कहा 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलांयस' (इंडिया) नाम का गठबंधन बनने से ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हों, राजग सरकार हो, आरएसएस हो, भाजपा हो ...सब घबरा गए हैं। उन्होंने कहा किस प्रकार की प्रतिक्रिया दे रहे है प्रधानमंत्री जी.. किस प्रकार से कोस रहे है विपक्षी पार्टियों को .. विपक्षी पार्टियों पर आरोप लगाते हैं..।

गहलोत ने कहा, आप सोच सकते हैं कि अगर विपक्ष का गठबंधन बना है तो तकलीफ उनको क्यों हो रही है? उन्होंने कहा कि 1998 में सोनिया गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद 15-17 राज्यों में कांग्रेस की सरकार बन गई थी..। गहलोत ने कहा कि अब खरगे के पार्टी के अध्यक्ष बनने के बाद राज्यों में कांग्रेस की सरकारें बनने की शुरुआत हो चुकी है। उन्होंने कहा, इनके (खरगे के पार्टी) अध्यक्ष बनने के बाद हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में हम जीते हैं। अब बारी है आपकी कि हम (राजस्थान) जीतें...।

उन्होंने कहा कि भाजपा का 2024 के लोकसभा चुनाव में भी मुकाबला करना है। उन्होंने कहा, आज जो हालात देश में हैं...देश किस दिशा में जाएगा, कोई नहीं जानता है। राजस्थान के मुख्यमंत्री ने कहा कि संसद का सत्र बुलाया गया है लेकिन इसका एजेंडा 'गुप्त' रखा गया है। उन्होंने केंद्र सरकार से सवाल किया कि लोकतंत्र में संसद सत्र के एजेंडे के बारे में जानकारी क्या देश की जनता और विपक्ष को नहीं दी जाएगी? उन्होंने आरोप लगाया, लोकतंत्र खतरे में है.. संविधान की धज्जियां उड़ रही हैं.. आयकर विभाग, ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग हो रहा है.. न्यायपालिका पर दबाव है.. यह हालात देश के बन चुके है। राज्य में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं और गहलोत ने विश्वास जताया कि राज्य में दोबारा कांग्रेस की सरकार बनेगी। राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, तमाम तरीके से सुशासन दिया गया है इसलिए हर आदमी की जबान पर है कि राजस्थान में सरकार 'रिपीट' हो सकती है...।

राजस्थान में कांग्रेस सरकार की उल्टी गिनती शुरू, विधानसभा का ताला जेजेपी की चाबी से खुलेगा : चौटाला

सीकर/दक्षिण भारत। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि जननायक चौधरी देवीलाल के आपणो राजस्थान के प्रति प्यार, प्रेम और स्नेह को देखते हुए जेजेपी इस बार 25 सितम्बर को उनकी जयंती सीकर में 'किसान विजय सम्मान दिवस' के रूप में मनाएगी। उन्होंने कहा कि इस दिन से राजस्थान की मौजूदा गुलाबी गैंग सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो जाएगी। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि पहली बार राजस्थान में चौधरी देवीलाल जयंती मनाई जाएगी और यह कार्यक्रम किसान, जवान, महिलाओं के सम्मान को समर्पित होगा। वे बुधवार को सीकर में आयोजित विशाल 'किसान नौजवान सभा' को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विभिन्न पार्टियों के दर्जनों नेता अपने-अपने दल को छोड़कर जननायक जनता पार्टी में शामिल हुए।

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि जिस प्रकार से राजस्थान में जेजेपी का कुणबा लगातार बढ़ रहा है, उससे साफ तौर पर जाहिर होता है कि आगामी विधानसभा के चुनाव के बाद नई विधानसभा का ताला जेजेपी की चाबी से ही खुलेगा। उन्होंने कांग्रेस के 'मिशन-2030' पर चुटकी लेते हुए कहा कि अभी साल 2023 है और कांग्रेस सात साल बाद का टारगेट लेकर चल रही है, इसका मतलब हाल के चुनावों में कांग्रेस अभी से हार मान के बैठी है तभी मिशन-2030

आसियान नेताओं के साथ भारत की साझेदारी की रूपरेखा पर चर्चा करने को लेकर उत्सुक हूं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि वह इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में 10 देशों के प्रभावशाली समूह 'आसियान' के नेताओं के साथ भारत की साझेदारी की भविष्य की रूपरेखा पर चर्चा करने को लेकर उत्सुक हैं। जकार्ता के लिए रवाना होने से पहले उन्होंने अपने बयान में 'आसियान' के साथ जुड़ाव को भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति का एक 'महत्वपूर्ण स्तंभ' करार दिया और कहा कि पिछले वर्ष हुई व्यापक रणनीतिक साझेदारी ने दोनों पक्षों के संबंधों में नई ऊर्जा का संचार किया है। इंडोनेशिया, 'आसियान' (दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संगठन) के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है।

आसियान को क्षेत्र में सबसे प्रभावशाली समूहों में से एक माना जाता है और भारत तथा अमेरिका, चीन, जापान और ऑस्ट्रेलिया सहित कई अन्य देश इसके संवाद भागीदार हैं।

प्रधानमंत्री ने सोशल नेटवर्किंग साइट 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आसियान से संबंधित बैठकों में भाग लेने के लिए जकार्ता रवाना। इसमें 20वां आसियान-भारत शिखर सम्मेलन शामिल है, जो एक ऐसी साझेदारी पर केंद्रित है जिसे हम बहुत पसंद करते हैं। मैं 18वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भी भाग लूंगा, जो स्वास्थ्य सेवा, पर्यावरण और डिजिटल नवाचारों जैसे महत्वपूर्ण विकासात्मक क्षेत्रों पर केंद्रित है।

मोदी ने कहा कि वह आसियान से संबंधित बैठकों में भाग लेने के लिए राष्ट्रपति जोको विडोडो के निमंत्रण पर जकार्ता की यात्रा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कि उनका पहला कार्यक्रम 20वां आसियान-भारत शिखर सम्मेलन होगा।

उन्होंने कहा, ''मैं आसियान नेताओं के साथ हमारी साझेदारी की भविष्य की रूपरेखा पर चर्चा करने के लिए उत्सुक हूं, जो अब अपने चौथे दशक में प्रवेश कर चुकी है। आसियान के साथ जुड़ाव भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। पिछले वर्ष हुई व्यापक रणनीतिक साझेदारी ने हमारे संबंधों में नई ऊर्जा का संचार किया है।''

देश के नाम पर बने दलों व गठबंधनों पर तुरंत रोक लगाए उच्चतम न्यायालयः मायावती

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने देश का नाम सिर्फ 'भारत' रखे जाने को लेकर छिड़े विवाद को बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्ष की संविधान के साथ छेड़छाड़ करने की 'सोची-समझी रणनीति और षड्यंत्र' करार दिया। साथ ही उन्होंने उच्चतम न्यायालय से इसका स्वतः संज्ञान लेकर देश के नाम पर बने सभी संगठनों, पार्टियों और गठबंधनों पर तुरंत रोक लगाए जाने की भी मांग की।

मायावती ने यहां संवाददाताओं को बताया, ''भारत अर्थात इंडिया का चिर परिचित और गरिमामय संवैधानिक नाम है। बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के पवित्र मानवतावादी और जनकल्याणकारी संविधान से अपने देश की सभी जातियों एव धर्मों को मानने वाले लोगों का अपार प्रेम, बेहद लगाव और सम्मान है। इसे बदलकर या इसके साथ छेड़छाड़ करके उनकी भावना के साथ कोई भी खिलवाड़ करना घोर अनुचित है।'' उन्होंने कहा, ''इस बारे में सच्चाई तो यह है कि देश के नाम को लेकर अपने संविधान के साथ छेड़छाड़ करने का मौका खुद विपक्ष ने भाजपा को दिया है वह भी एक सोची-समझी रणनीति और षड्यंत्र के तहत अपने गठबंधन का नाम 'इंडिया' रखकर। या फिर यह कहा जाए कि यह सब कुछ सत्ता पक्ष और विपक्ष की अंदरूनी मिलीभगत से हो रहा है।''

कोलकाता विशेष स्थान, वहां के लोग सुसंस्कृत : उपराष्ट्रपति धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा (राजस्थान)/भाषा। भले ही पश्चिम बंगाल के राज्यपाल पद पर रहते हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ लगातार अनबन होती रहती थी, लेकिन वह राज्य की राजधानी कोलकाता के आकर्षण से अछूते नहीं रहे, जिसे उन्होंने 'आनंद का शहर' कहकर संबोधित किया और इसके लोगों को ''सुसंस्कृत'' बताया।

धनखड़ ने मंगलवार को कृषि प्रबंधन संस्थान में छात्रों के साथ बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की। वह कोटा में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही पश्चिम बंगाल की एक लड़की द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। उपराष्ट्रपति ने कहा, ''जब पश्चिम बंगाल की बात आती है, तो मामला बहुत खास हो जाता है। कोलकाता 'आनंद का शहर' है और पश्चिम बंगाल के लोग बहुत सुसंस्कृत और रचनात्मक हैं तथा वे तेज दिमाग के हैं।''

पश्चिम बंगाल की एक छात्रा आसमा ने कक्षा 11वीं और कक्षा 12वीं के पाठ्यक्रम में कमी के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए उपराष्ट्रपति से पूछा, ''क्या आपको नहीं लगता कि हमारे देश के विकास के लिए, हमारे पाठ्यक्रम को कम नहीं किया जाना चाहिए?'' इस पर धनखड़ ने जवाब दिया, ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) आपके द्वारा उठाई गई समस्या का ध्यान रखती है।''

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि एनईपी को तैयार करने में उनके सहित देश के एक लाख से अधिक लोगों की राय ली गई।

असम-अरुणाचल सीमा विवाद पर एमओयू को सही तरीके से लागू किया जा रहा हैः खांडू

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने बुधवार को कहा कि सीमा विवाद को लेकर असम और उनके राज्य के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) को सही तरीके से लागू किया जा रहा है। विधानसभा में कांग्रेस विधायक वांगलिन लोवादोंग के प्रश्न के लिखित उत्तर में खांडू ने कहा कि जिन क्षेत्रों में मुद्दे पूरी तरह स्पष्ट हैं, वहां जल्द ही पायलट सर्वेक्षण कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम कामेंग जिले में कामेंगबारी और भालुकपोंग को भारतीय सर्वेक्षण विभाग तथा उसके असम समकक्ष के साथ विस्तृत चर्चा के बाद पायलट सर्वेक्षण के लिए चुना गया है। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों और जिलों में कुछ मामले अब भी लंबित हैं उन्हें संबंधित क्षेत्रीय समितियां देख रही हैं। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि सरकार ने खासतौर पर राज्य के पूर्वी भाग में उन वन क्षेत्रों को छोड़ा नहीं है जिन पर असम सरकार दावा करती है।

सोनिया गांधी संसद के कामकाज के भी राजनीतिकरण का प्रयास कर रही हैं : जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी पर 'लोकतंत्र के मंदिर' के कामकाज का भी राजनीतिकरण करने का आरोप लगाते हुए कहा कि स्थापित प्रक्रियाओं का पालन करने के बाद ही 18 सितंबर से संसद का विशेष सत्र आहूत किया है।

सोनिया गांधी की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे गए पत्र का जवाब देते हुए जोशी ने यह भी कहा कि उन्होंने जिन नौ मुद्दों पर चर्चा कराने की मांग की है, उन सभी के बारे में लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव के दौरान सरकार की ओर से जवाब दिया जा चुका है। केंद्रीय मंत्री ने विश्वास जताया कि विशेष सत्र के दौरान संसद की गरिमा बनी रहेगी और इस मंच का उपयोग राजनीतिक विवादों के लिए नहीं किया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष से सत्र में 'पूर्ण सहयोग' की अपेक्षा भी की। गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया कि 18 सितंबर से शुरू होने वाले संसद के विशेष सत्र के दौरान देश की आर्थिक स्थिति, जातीय जनगणना, चीन के साथ सीमा पर गतिरोध और अडाणी समूह से जुड़े नए खुलासों की पृष्ठभूमि में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित करने की मांग समेत नौ मुद्दों पर उचित नियमों के तहत चर्चा कराई जाए। उन्होंने कहा, मैं इस बात का उल्लेख करना चाहूंगी कि संसद का विशेष सत्र राजनीतिक दलों से विचार-विमर्श किए बिना बुला लिया गया। इस सत्र के एजेंडे के बारे में हमें जानकारी नहीं है।'' सोनिया गांधी के पत्र का जवाब उन्हें पत्र लिखकर देते हुए जोशी ने कहा, ''यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि आप संसद, हमारे लोकतंत्र के मंदिर के कामकाज का भी राजनीतिकरण करने और जहां कोई विवाद नहीं है वहां अनावश्यक विवाद उत्पन्न करने का प्रयास कर रही हैं।''

उन्होंने संसद सत्र बुलाए जाने की प्रक्रिया का हवाला देते हुए कहा कि 'पूर्ण रूप से स्थापित प्रक्रिया' का पालन करते हुए ही संसदीय कार्य संबंधी मंत्रिमंडल समिति के अनुमोदन के पश्चात राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्म द्वारा 18 सितंबर से आरंभ होने वाला सत्र बुलाया गया है। उन्होंने कहा, ''शायद आपका परंपराओं की ओर ध्यान नहीं है। संसद सत्र बुलाने से पहले ना कभी राजनीतिक दलों से चर्चा की जाती है और ना कभी मुद्दों पर चर्चा की जाती है।'' उन्होंने गांधी को याद दिलाया कि सत्र आरंभ होने के पहले सभी दलों के नेताओं की बैठक होती है जिसमें संसद में उठने वाले मुद्दों और कामकाज पर चर्चा होती है।

भारत, इंडिया या हिंदुस्तान, सबका मतलब मोहब्बत हैः राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि भारत, इंडिया या हिंदुस्तान..., सबका मतलब मोहब्बत है। उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे वक्त पर की है जब जी20 से संबंधित रात्रिभोज के निमंत्रण पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को 'प्रेसीडेंट ऑफ भारत' के तौर पर संबोधित किए जाने को लेकर मंगलवार को बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया। विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार देश के दोनों नामों 'इंडिया' और 'भारत' में से 'इंडिया' को बदलना चाहती है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'यूट्यूब' पर अपनी 'भारत जोड़ो यात्रा' से संबंधित वीडियो साझा करते हुए लिखा, '' भारत, इंडिया या हिंदुस्तान..., सबका मतलब मोहब्बत, इरादा सबसे ऊंची उड़ान।''

एक साल पहले सात सितंबर को ही कांग्रेस की ''भारत जोड़ो'' यात्रा शुरू हुई थी। इसमें राहुल गांधी ने पार्टी के कई नेताओं के साथ 4,000 किलोमीटर से अधिक की पैदल यात्रा की थी और इस दौरान उन्होंने समाज के विभिन्न वर्ग के लोगों से बातचीत की थी।

यह यात्रा पिछले साल सात सितंबर को कन्याकुमारी से आरंभ हुई थी, जो इस वर्ष 30 जनवरी को श्रीनगर में समाप्त हुई थी। यह यात्रा 145 दिन चली थी।

उत्तराखंड सरकार ने 2023-24 के लिए 11,321 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट पेश किया

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड सरकार ने बुधवार को वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 11,321 करोड़ रुपये का प्रथम अनुपूरक बजट पेश किया। राज्य विधानसभा के मौजूदा अधिवेशन के दूसरे दिन वित्त मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल ने अनुपूरक बजट पेश करते हुए कहा कि इसमें से लगभग 3,530 करोड़ रुपये राजस्व मद एवं लगभग 7,790 करोड़ रुपये पूंजीगत मद में प्रस्तावित हैं। चालू वित्त वर्ष के बजट में 77,407 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। हालांकि कुछ योजनाओं में अतिरिक्त मांग, कुछ नई योजनाओं तथा राज्य आकस्मिकता निधि से ली गयी अग्रिम धनराशि की प्रतिपूर्ति के कारण इस अनुपूरक बजट की जरूरत पैदा हुई। अनुपूरक बजट में केंद्र-पोषित योजना के तहत लगभग 3,000 करोड़ रुपये, नाबार्ड के अंतर्गत लगभग 286 करोड़ रुपये, बाह्य सहायता वाली योजना में 331 करोड़ रुपये, राज्य-पोषित योजनाओं के तहत लगभग 3,200 करोड़ रुपये और नगर निगमों, नगरपालिकाओं, नगर पंचायतों, जिला पंचायतों, क्षेत्र पंचायतों और ग्राम पंचायतों के लिए 157 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

हापुड़ में वकीलों पर लाठीचार्ज

अधिवक्ताओं का राज्यव्यापी प्रदर्शन मंगलवार को रहा जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/प्रयागराज/भाषा। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में वकीलों पर लाठीचार्ज के विरोध में राज्य विधिज्ञ परिषद (बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश) के आह्वान पर जिला प्रयागराज के अधिवक्ता मंगलवार को भी हड़ताल पर रहे। प्रयागराज जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष गिरीश तिवारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि बार काउंसिल के आह्वान पर जिला अदालत के अधिवक्ता मंगलवार को न्यायिक कार्य से विरत रहे और अदालती कार्यवाही में हिस्सा नहीं लिया।

तिवारी ने कहा कि कल जन्माष्टमी का अवकाश होने के कारण अगले दिन बार काउंसिल के निर्णय के आधार पर आगे की कार्रवाई की जायेगी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने मंगलवार को काम शुरू करने का फैसला किया था, जिसके मद्देनजर बुधवार को वकीलों ने अदालती कार्यवाही में हिस्सा लिया।

तेजाब से हमला सबसे गंभीर अपराधों में से एक : उच्च न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने तेजाब से हमला करने के एक आरोपी को जमानत देने से इनकार करते हुए कहा है कि वह पीड़िता की मनोवैज्ञानिक पीड़ा की अनदेखी नहीं कर सकता। आरोपी ने लंबे समय तक जेल में रहने के आधार पर जमानत दिए जाने का अनुरोध किया था। अदालत ने कहा कि ऐसे अपराधों पर रोक के लिए एक प्रभावशाली निवारक तंत्र स्थापित करना आवश्यक है।

उच्च न्यायालय ने कहा कि तेजाब हमला, समकालीन समाज में सबसे गंभीर अपराधों में से एक है और आरोपी के लंबे समय तक कारावास में रहने को न्याय के लिए पीड़िता की प्रतीक्षा के समान ही देखा जाना चाहिए।

आरोपी ने इस आधार पर जमानत दिए जाने का अनुरोध किया था कि इस अपराध के लिए न्यूनतम सजा 10 साल है और वह पहले ही नौ साल न्यायिक हिरासत में बिता चुका है।

न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने कहा कि तेजाब से हमला बहुत ही गंभीर अपराध है और अक्सर जीवन बदल देने वाले घाव देता है। उन्होंने कहा कि इससे न केवल शारीरिक पीड़ा होती है बल्कि भावनात्मक पीड़ा भी होती है जो कभी ठीक नहीं होते। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में, अदालत की भूमिका न्यायिक संरक्षक के रूप में होती है।

भाजपा ने ज्वलंत मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए 'इंडिया बनाम भारत' बहस छेड़ी है : अभिषेक बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने बुधवार को आरोप लगाया कि महंगाई, सांप्रदायिक तनाव, सीमा विवाद और बेरोजगारी जैसे ज्वलंत मुद्दों से ध्यान बांटने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 'इंडिया बनाम भारत' बहस छेड़ी है।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर जी-20 के एक भोज निमंत्रण पत्र को साझा किये जाने के बाद यह बहस छिड़ गयी है। इस निमंत्रण पत्र में द्रौपदी मुर्मू को 'प्रेसीडेंट ऑफ भारत' कहा गया है। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''इंडिया बनाम भारत भाजपा द्वारा रची गयी ध्यान बांटने की तरकीब भर है। इधर-उधर की बातें छोड़कर हम विषय पर आयें और इस सरकार को आसमान छूती कीमतें, बेलगाम महंगाई, सांप्रदायिक तनाव, बेरोजगारी, सीमा विवाद और डबल इंजन एवं राष्ट्रवाद के खोखले राग के लिए जवाबदेह ठहरायें। हम अपने ध्येय पर केंद्रित रहें।'' पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सरकारी संवादों में 'इंडिया' के स्थान पर 'अचानक भारत के इस्तेमाल' को लेकर मंगलवार को सवाल उठाया था।

उप्र : मन्नत पूरी नहीं होने पर मंदिर से युवक ने शिवलिंग चुराया, गिरफ्तार

कौशांबी (उप्र)/भाषा। कौशांबी जिले के महेवा घाट क्षेत्र में अपनी शादी की मन्नत पूरी नहीं होने से नाराज एक युवक मंदिर से शिवलिंग को ही उठा ले गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर शिवलिंग को मंदिर में दोबारा स्थापित करवा दिया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी अभिषेक कुमार ने बताया कि महेवा घाट थाना क्षेत्र के कुम्हियावा गांव के निवासी छोटू (27) को स्थानीय मंदिर से शिवलिंग चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। उससे शिवलिंग बरामद कर उसे दोबारा मंदिर में स्थापित करवा दिया गया है। गत एक सितंबर को कुछ लोग मंदिर में पूजा करने पहुंचे तो वहां शिवलिंग नहीं था। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने संदेह के आधार पर गत तीन सितंबर को छोटू को पकड़ा था।

चामलिंग के नेतृत्व वाले एसडीएफ में शामिल होने को तैयार हूं : बाईचुंग

गंगटोक/भाषा। फुटबॉल की दुनिया से राजनीति में कदम रखने वाले बाईचुंग भूटिया ने कहा कि वह पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग के नेतृत्व वाले विपक्षी दल सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) में शामिल होने को तैयार हैं। 'हमरो सिक्किम पार्टी' (एचएसपी) के अध्यक्ष भूटिया ने कहा कि एसडीएफ के साथ चर्चा चल रही है और जल्द ही चीजों को पूरा कर लिया जाएगा। सिक्किम की मुख्य विपक्षी पार्टी में शामिल होने को लेकर जारी अटकलों की पुष्टि करने को लेकर पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''एसडीएफ के साथ हमारी चर्चा जारी है और चीजों को जल्दी ही पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद ही हम आपको संपूर्ण जानकारी दे पाएंगे।'' हालांकि, 46 वर्षीय पूर्व अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी ने पुष्टि की कि वह 'एसडीएफ में शामिल होने को तैयार हैं'।

कैसे पासा पलटकर 15 सदस्यीय भारतीय टीम में वापसी की कुलदीप यादव ने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलंबो/भाषा। करीब दो साल पहले कुलदीप यादव का अंतरराष्ट्रीय कैरियर खत्म होता दिख रहा था और आईपीएल में भी पूरे सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स ने उन्हें मौका नहीं दिया ।

लेकिन पिछले साल कुलदीप ने वापसी की और विश्व कप के लिये चुनी गई 15 सदस्यीय भारतीय टीम में जगह बनाने में कामयाब रहे । उन्हें लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल और अनुभवी आफ स्पिनर आर अश्विन पर तरजीह दी गई । आखिर कुलदीप ने 13 वनडे में 23 विकेट लेकर अपना दावा इस कदर पुख्ता जो किया था ।

यह पासा आखिर पलटा कैसे । कुलदीप के बचपन के कोच कपिल पांडे इसका श्रेय उनकी प्रतिबद्धता को देते हैं । उन्होंने कहा ,'' उसका दिल टूट गया था । भारत के लिये खेलना तो छोड़ो, उसे केकेआर में भी मौका नहीं मिल रहा था । एक गेंदबाज के लिये अपने हुनर पर लगातार काम करते रहना जरूरी है ।'' उन्होंने कहा ,'' लेकिन उसने हार नहीं मानी और नेट पर मेरे साथ लंबे समय अभ्यास करता रहा । हमने कई चीजों पर काम किया ।''

किसी भी क्रिकेटर को ऐसे मार्गदर्शक की जरूरत होती है जिसे इस स्थिति का अनुभव हो और कुलदीप के लिये वह शख्स थे सुनील जोशी ।

भारत के बायें हाथ के पूर्व स्पिनर ने राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में कुलदीप को महत्वपूर्ण गुर सिखाये ।

जोशी ने पीटीआई से कहा ,'' मैं उस समय चयन समिति में था जब कुलदीप खराब दौर से गुजर रहा था । इतने प्रतिभाशाली गेंदबाज को इस तरह देखना दुखद था । हमने एनसीए में मुलाकात की और आगे की रणनीति बनाई ।'' उन्होंने कहा ,'' हम तकनीकी पहलुओं पर ही काम कर रहे थे ताकि वह थोड़ी तेज गेंद डाल सके । उसके एक्शन में सुधार की जरूरत थी । उसका फोकस भी भटक गया था लेकिन अब आपको बदलाव नजर आ रहा होगा ।''

आईपीएल में भी केकेआर से दिल्ली कैपिटल्स में आने का कुलदीप को फायदा मिला । पांडे ने कहा ,'' कुलदीप ने मुझे बताया कि दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने उसकी काफी हौसलाअफजाई की । एक गेंदबाज के लिये कप्तान और कोच का साथ बहुत जरूरी है । यही वजह है कि वह महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में चमका था ।'

सूर्यकुमार यादव को बीच के ओवरों में स्ट्राइक रोटेट करने का तरीका ढूंढना होगा : बांगड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ का मानना है कि वनडे में रन बनाने के लिए जूझ रहे सूर्यकुमार यादव को यह सीखने की जरूरत है कि बीच के ओवरों में किस तरह से 'स्ट्राइक रोटेट' करनी है। सूर्यकुमार एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं लेकिन इसके बावजूद उन्हें वनडे विश्वकप के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम में रखा गया है।

बांगड़ ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा,'' वह (सूर्यकुमार) पहले ही कह चुका है कि उनके साथ राहुल द्रविड़ हैं और उन्होंने उनसे बात की है। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि बीच के ओवरों में बाउंड्री लगाना आसान नहीं होता है, क्योंकि गेंद पुरानी हो जाती है।'' उन्होंने कहा,'' सूर्यकुमार बहुमुखी प्रतिभा के खिलाड़ी हैं और वह निश्चित तौर पर बाउंड्री लगाने को अपना लक्ष्य लेकर चलते हैं। उन्हें इस बात की अच्छी समझ है कि बाउंड्री कहां लगानी है। लेकिन उन्हें यह पता करने की जरूरत है कि 25 से लेकर 40वें ओवर के बीच कैसे बल्लेबाजी करनी है।'' बांगड़ ने कहा,''मुझे नहीं लगता कि बीच के ओवरों में कैसे रन बनाने हैं इसको लेकर उनके दिल और दिमाग में स्पष्टता है। वह टी20 प्रारूप की तरह ही बल्लेबाजी कर सकते हैं लेकिन अगर विकेट गिरते हैं तो उन्हें यह पता करने की जरूरत है कि 25 से लेकर 40वें ओवर तक स्ट्राइक कैसे रोटेट करनी है। उन्हें इस अवधि में रन बनाने के लिए अपना तरीका ढूंढना होगा जिस पर वह निश्चित तौर पर सोच रहे होंगे।''

सुविचार

इंतज़ार करने वालो को सिर्फ उतना मिलता है जितना कोशिश करने वाले छोड़ देते है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सनातन की ध्वजा

ऐसा प्रतीत होता है कि इन दिनों कुछ लोगों ने सनातन धर्म और संस्कृति का अपमान करने में एक–दूसरे को पछाड़ देने की कसम खा रखी है। वे बेखौफ होकर देशवासियों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचा रहे हैं। वहीं, इस पर आपत्ति जताने के बजाय उनके सुर में सुर मिलाने वाले भी खड़े हो रहे हैं। यह देश में क्या हो रहा है? आज खुद को सुधारक, आधुनिक और लिबरल दिखाने और क्षणिक प्रसिद्धि पाने के लिए कुछ लोग सनातन धर्म और संस्कृति का अपमान करने को एक शॉर्टकट के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। जब कोई इसका विरोध करता है तो 'अभिव्यक्ति की आज़ादी' को लेकर चिंता जताने वाले सक्रिय हो जाते हैं। यह दलील दी जाती है कि देश में असहिष्णुता बहुत बढ़ गई है, लोकतंत्र खतरे में आ गया है! निस्संदेह लोगों की आस्थाओं का सम्मान करना चाहिए, लेकिन इस मामले में सबके साथ समानता का व्यवहार भी सुनिश्चित होना चाहिए। यह नहीं हो सकता कि खुद को प्रगतिशील और आधुनिक दिखाने के लिए सनातन धर्म के लिए अमर्यादित शब्दों का प्रयोग करें। यह स्वीकार्य नहीं है। लेकिन वाह रे वोटबैंक, तुम्हारे लिए कुछ नेताओं को क्या–क्या नहीं करना पड़ता! आज यह आसान–सा फॉर्मूला बन गया है कि सनातन धर्म के लिए कुछ हल्के शब्द बोल दें और चर्चा में आ जाएं। जब कॉमेडियन और फिल्म अभिनेता माता सीता और प्रभु श्रीराम का मजाक उड़ा सकते हैं तो 'कुछ' नेता पीछे क्यों रहें? उनके शब्दों पर ठहाके लगते हैं, तालियां बजती हैं। यह कितनी लज्जा की बात है कि उन्हें स्वयं को बुद्धिमान, विद्वान और सुधारक सिद्ध करने के लिए अपने ही देश की संस्कृति और करोड़ों लोगों की आस्था का मजाक बनाना पड़ रहा है! क्या वे इतने विचारशून्य हैं? यह स्पष्ट रूप से सनातन धर्म से दूरी, अपनी संस्कृति के प्रति हीनभावना और चिंतन, मनन व अध्ययन के घोर अभाव का परिणाम है। सनातन नाम है तपस्या का, सनातन नाम है सबके कल्याण का, सनातन नाम है उस दर्शन का, जो कण–कण में ईश्वरत्व की अनुभूति कराता है और यह उद्घोष करता है कि संपूर्ण विश्व एक परिवार है।

यह भी एक संयोग है कि वर्ष 1893 में इसी सितंबर महीने की 11 तारीख को स्वामी विवेकानंद ने अमेरिका के शिकागो में विश्व धर्म संसद में ऐतिहासिक भाषण देकर सनातन धर्म और संस्कृति की पताका फहराई थी। युवाओं को उनका वह भाषण जरूर पढ़ना चाहिए, जिसमें उन्होंने बड़े ही सुंदर ढंग से बताया था कि जिस तरह अलग–अलग जगहों से निकलीं नदियां, अलग–अलग रास्तों से होकर आखिरकार समुद्र में मिल जाती हैं, ठीक उसी तरह मनुष्य अलग–अलग रास्ते चुनता है, जो दिखने में भले ही अलग लगते हैं, लेकिन सब उसी ईश्वर तक जाते हैं। इतनी उदारता, इतना समन्वय और कहां है? हमारे ऋषियों और संतों ने कभी नहीं कहा कि एकमात्र हम सच्चे हैं और जो कोई हमारे मत से भिन्नता रखेगा, वह असत्य के मार्ग पर होगा। बल्कि सनातन धर्म ने शास्त्रार्थ की परंपरा को प्रोत्साहित किया। उसमें विद्वान खुलकर अपने विचार व्यक्त करते थे। वे ईश्वर और उसकी सृष्टि के प्रयोजन तक पर सवाल उठा सकते थे। उन्हें पूरी आज़ादी थी। इसीलिए भारत में दर्शन की इतनी शाखाएं विकसित हुईं। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि 'रोम का ध्येय था साम्राज्य–लिप्सा, शक्ति–विस्तार। ... उस पर आघात हुआ नहीं कि रोम छिन्न–भिन्न हो गया। यूनान की प्रेरणा थी बुद्धि। ... उस पर आघात हुआ नहीं कि यूनान की इतिश्री हो गई। ... स्पेन इत्यादि देशों का भी यही हाल हुआ है। हर राष्ट्र का विश्व के लिए एक ध्येय होता है और जब तक वह ध्येय आक्रांत नहीं होता, तब तक राष्ट्र जीवित होता है, चाहे जो संकट क्यों न आए। भारत की वह सजीवता अभी तक आक्रांत नहीं हुई है। उसने उसका त्याग नहीं किया है। ... भारत कभी दूसरों को पराजित करने वाला राष्ट्र नहीं बनेगा, कभी नहीं। ... पर आखिर भारत का स्वर होगा क्या? वह स्वर होगा ईश्वर, केवल ईश्वर का।' यही है भारत का स्वर, जिसे अवरुद्ध करने और मिटाने की चाह में कई आक्रांता आए और गए। अब तो उनके नाम तक लोगों को याद नहीं हैं, लेकिन सनातन की गगनचुंबी ध्वजा आज भी लहरा रही है और सदैव लहराती रहेगी।

ट्वीटर टॉक

फ्री मोबाइल देने के नाम पर राजस्थान में अब तक गहलोत सरकार ने दस हज़ार से अधिक महिलाओं–बेटियों के नंबर, पहचान और पते सार्वजनिक कर दिये हैं। राजस्थान में महिलायें असुरक्षित हैं, और उनके ख़िलाफ़ अपराध बढ़ रहा है।

–अर्जुनराम मेघवाल

संगरिया विधानसभा क्षेत्र के रतनपुरा में परिवर्तन संकल्प यात्रा के दौरान जनता का उत्साह और अपार समर्थन मिला। यह जन–समर्थन परिवर्तन की शुरूआत है। आगामी ङ्कचुनाव में प्रदेश की जनता कांग्रेस सरकार को सत्ता से बाहर कर रास्ता दिखाकर परिवर्तन जरूर लाएगी।

–राजेन्द्र राठौड़

राजस्थान में कांग्रेस की हताशा मंच से लेकर सड़कों तक साफ़ दिखाई दे रही है। कांग्रेस के विधायक पार्टी के मंचों से अपनी सरकार में अपनी दुर्दशा की कहानी सुना रहे है। गहलोत सरकार से जनता के साथ ख़ुद कांग्रेस के लोग भी त्रस्त है।

–जेपी नड्डा

प्रेरक प्रसंग

जिज्ञासा से हासिल

अब्राहम ने एक पादरी के बेटे बेरी के साथ मिलकर व्यवसाय आरंभ किया था। एक दिन एक घोड़ागाड़ी वहां से गुजर रही थी। घोड़ागाड़ी पर सवार यात्री ने घोड़े को अब्राहम की दुकान के समीप रोका। वह अब्राहम की दुकान के अंदर गया और बोला, 'मैं इस संदूक को बेचना चाहता हूं क्योंकि मेरे घोड़े ज्यादा सामान के साथ नहीं चल पा रहे हैं।' अब्राहम ने उस संदूक को खरीद लिया और यात्री को पचास सेंट दे दिए। एक दिन अब्राहम के मन में उत्सुकता जगी आखिर संदूक खोलकर देखा जाए कि उसमें क्या है? अब्राहम ने संदूक को खोला तो उसमें ब्लैकस्टोन की टिप्पणियों का एक पूरा संस्करण मिल गया। किताबों को देखकर अब्राहम की आंखों में नूर आ गया। उन्होंने उन टिप्पणियों के संस्करण को निकाला और उसे तुरंत पढ़ना आरंभ कर दिया। अब्राहम संदूक में मिले ब्लैकस्टोन के संस्करण को पढ़ने में मशगूल हो गया। जितना वे उसे पढ़ते जाते थे, उतना ही पढ़ने की भूख उनकी बढ़ती जाती थी। उन्होंने अहर्निश इस संस्करण का अध्ययन समाप्त किया। ब्लैकस्टोन की पुस्तक ने उनके अंदर वकील बनने की चाहत उत्पन्न कर दी थी और उन्होंने निर्णय कर लिया था कि वे वकील बनकर रहेंगे। कुछ ही समय बाद उन्होंने नामी वकील बनने के लक्ष्य को पा लिया।

सामयिक

श्रीकृष्ण सही मायने में सृष्टि के कुशल महाप्रबंधक

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

भगवान श्रीकृष्ण हमारी संस्कृति के एक अद्भुत एवं विलक्षण राष्ट्रनायक हैं। श्रीकृष्ण का चरित्र एक प्रभावी एवं सफल मैंनेजमेंट गुरु वाले लोकनायक का चरित्र है। वह द्वारिका के शासक भी है किंतु कभी उन्हें राजा श्रीकृष्ण के रूप में संबोधित नहीं किया जाता। वह तो ब्रजनंदन है। कुशल प्रबंधन सोच के कारण ही समाज एवं राष्ट्र व्यवस्था उनके लिये कर्त्तव्य थी, इसलिये कर्त्तव्य से कभी पलायन नहीं किया तो धर्म उनकी आत्मनिष्ठा बना, इसलिये उसे कभी नकारा नहीं। वे प्रवृत्ति और निवृत्ति दोनों की संयोजना में सचेतन बने रहे। श्रीकृष्ण के प्रबंधन रहस्य को समझना होगा कि उन्होंने किस प्रकार आदर्श राजनीति, व्यावहारिक लोकतंत्र, सामाजिक समरसता, एकात्म मानववाद और अनुशासित सैन्य एवं युद्ध संचालन किया। राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए किस तरह की नीति और नियत चाहिए– इन सब प्रश्नों के उत्तर श्रीकृष्ण के प्रभावी प्रबंधन सूत्रों से मिलते हैं। श्रीकृष्ण के आदर्शों से ही देश एवं दुनिया में शांति स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

सही प्रबंधन के बिना किसी भी कार्य से श्रेष्ठतम परिणाम प्राप्त नहीं किये जा सकते। जिस तरह जीवन के प्रत्येक कार्य में सुनिश्चित सफलता के लिये सही प्रबंधन अति आवश्यक है, उसी तरह सही ढंग से जीने एवं सार्थक जीवन के लिये भी सही प्रबंधन जरूरी है। श्रीकृष्ण ने मैंनेजमेंट गुरु की भूमिका निभाते हुए सफल एवं सार्थक जीवन जीने के प्रबंधन सूत्र दिये, जो सदियों से सम्पूर्ण मानवजाति का पथ–दर्शन कर रहे हैं। श्रीकृष्ण के प्रबंधन नीति की खासियत यह है कि उनकी भावना और विवेक एक दूसरे का पूरक है। मैनेजमेंट गुरु श्रीकृष्ण का वह व्यावहारिक कौशल ही था कि अत्याचारी कंस को सबसे पहले आर्थिक रूप से कमजोर किया गया और फिर उसका वध किया। पूरे महाभारत युद्ध के दौरान कहीं भी श्रीकृष्ण ऊंहापोह की स्थिति में नजर नहीं आये। एक ही व्यक्ति में अनेक गुणों, विशेषताओं एवं कौशल का समावेश तभी हो सकता है, जब वह प्रबंधन में निष्णात हो। श्रीकृष्ण एक ऐसा ही आदर्श चरित्र है जो अर्जुन की मानसिक व्यथा का निदान करते समय एक मनोवैज्ञानिक, कंस जैसे असुर का संहार करते हुए एक धर्मावतार, स्वार्थ पोषित राजनीति का प्रतिकार करते हुए एक आदर्श राजनीतिज्ञ, विश्व मोहिनी बंसी बजैया के रूप में सर्वश्रेष्ठ संगीतज्ञ, बृजवासियों के समक्ष प्रेमावतार, सुदामा के समक्ष एक आदर्श मित्र, सुदर्शन चक्रधारी के रूप में एक योद्धा व सामाजिक क्रान्ति के प्रणेता हैं। उनके जीवन की छोटी से छोटी घटना से यह सिद्ध होता है कि वे सर्वैश्वर्य सम्पन्न थे। धर्म की साक्षात मूर्ति थे। कुशल राजनीतिज्ञ थे। सृष्टि संचालक के रूप में एक महाप्रबंधक थे।

भगवान श्रीकृष्ण के मैनेजमेंट मंत्र के अनुसार श्रेष्ठ व्यक्ति को हमेशा अपने पद और गरिमा के अनुसार ही व्यवहार या आचरण करना चाहिए। क्योंकि वह लोगों के लिए आदर्श हैं और वो जैसा करेंगे लोग भी वैसा ही अनुसरण करेंगे। कुरुक्षेत्र के युद्ध मैदान में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को जो गीता के उपदेश दिये थे, वे मैंनेजमेंट के अमरसूक्त हैं। मोहवश अर्जुन ने हथियार त्याग दिए थे, तब गीता के उपदेशों के जरिये ही श्रीकृष्ण ने अर्जुन को धर्मानुसार कर्म करने की प्रेरणा दी। महाभारत के युद्ध में श्रीकृष्ण ने जो उपदेश दिए थे, इनमें मैनेजमेंट के सूत्र छिपे हुए हैं। इस सूत्रों को समझकर कोई भी इंसान अपने जीवन में छोटे–छोटे बदलावों से उन्नति कर सकता है। श्रीकृष्ण के अनुसार जिस मनुष्य के मन में किसी प्रकार की इच्छा या कामना होती है, उसे कभी सुख शांति प्राप्त नहीं होती। इसलिए सुख–शांति हासिल करने के लिए इंसान को सबसे पहले अपनी इच्छाओं का त्याग करना होगा। हम कर्म के साथ उसके आने वाले परिणाम के बारे में सोचते हैं जो हमें कमजोर बनाता है। लेकिन हमें परिणाम की चिंता न करके अपने कर्म पर ध्यान देना चाहिए, जिससे हम अपने कर्तव्य का पालन कर सकें, यह प्रबंधन का आदिसूत्र हैं।

श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व एवं कृतित्व नेतृत्व एवं प्रबंधन की समस्त विशेषताओं को समेटे बहुआयामी एवं बहुरंगी है, यानी राजनीतिक कौशल, बुद्धिमत्ता, चातुर्य, युद्धनीति, आकर्षण, प्रेमभाव, गुरुत्व, सुख, दुख और न जाने और क्या? एक देश–भक्त के लिए श्रीकृष्ण भगवान तो हैं ही, साथ में वे जीवन जीने की कला एवं सफल नागरिकता भी सिखाते है। उन्होंने अपने व्यक्तित्व की विविध विशेषताओं से भारतीय–संस्कृति में उच्च महाप्रबंधक का पद प्राप्त किया। एक ओर वे राजनीति के ज्ञाता, तो दूसरी ओर दर्शन के प्रकांड पंडित थे। धार्मिक, राजनैतिक एवं सामाजिक जगत में भी नेतृत्व करते हुए ज्ञान–कर्म–भक्ति का समन्वयवादी धर्म उन्होंने प्रवर्तित किया। अपनी योग्यताओं के आधार पर वे युगपुरुष थे, जो आगे चलकर युवावतार के रूप में स्वीकृत हुए। उन्हें हम एक महान क्रांतिकारी नायक के रूप में स्मरण करते हैं। वे दार्शनिक, चिंतक, गीता के माध्यम से कर्म और सांख्य योग के संदेशवाहक और महाभारत युद्ध के नीति निर्देशक थे किंतु सरल–निश्छल ब्रजवासियों के लिए तो वह रास रचैया, माखन चोर, गोपियों की मटकी फोड़ने वाले नटखट कन्हैया और गोपियों के चितचोर थे। गीता में इसी की भावाभिव्यक्ति है– हे अर्जुन! जो भक्त मुझे जिस भावना से भजता है मैं भी उसको उसी प्रकार से भजता हूं। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में भी हम इन्हीं प्रबंधकीय विशेषताओं का दर्शन करते है, क्योंकि श्रीकृष्ण के जीवन–आदर्शों को आत्मसात करते हुए वे एक कुशल प्रबंधक के रूप में सशक्त भारत–नया भारत निर्मित कर रहे हैं।

श्रीकृष्ण का प्रशासनिक एवं राजनीतिक चरित्र अत्यन्त अलौकिक है, उनके समग्र विचार दर्शन का संक्षेप में केवल एक संदेश है– कर्म। कर्म के माध्यम से ही समाज की अनिष्टकारी प्रवृत्तियों का शमन करके उनके स्थान पर वरेण्य प्रवृत्तियों को स्थापित करना संभव होता है। श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व असीम करुणा से परिपूर्ण है। लेकिन अनीति और अत्याचार का प्रतिकार करने वाला उनसे कठोर व्यक्ति शायद ही कोई मिले। जो श्रीकृष्ण अपने से प्रेम करने वाले के लिए नंगे पांव दौड़े चले जाते थे, वही श्रीकृष्ण दुष्टों को दण्ड देने के लिए अत्यंत कठोर और निर्मम भी हो जाते थे। कब प्रेम करना और कब घृणा, कब कठोर होना और कब करुणामय–यह उचित प्रबंधन से ही संभव है।

भगवान श्रीकृष्ण से प्रेम के साथ–साथ जीवन के सबसे खराब दौर में कैसे अच्छा परिणाम पाएं इसका गुण भी हम लोग सीख सकते हैं। अपने जन्म से लेकर लीला समाप्ति तक, अपने पूरे अवतार के समय तक श्रीकृष्ण ने कई संघर्षों को सुलझाया और देखा भी। परिस्थिति को अपने अनुकूल बनाने की कला सिर्फ श्रीकृष्ण में ही थी। श्रीकृष्ण का यह प्रबंधन कौशल एवं समय–नियोजन ही था कि उन्होंने 64 दिन में 64 कलाओं का ज्ञान प्राप्त कर लिया था। श्रीकृष्ण ने वैदिक कलाओं के साथ–साथ दूसरी कलाएं भी सीखी थीं। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जिससे आपके व्यक्तित्व का रचनात्मक विकास हो। श्रीकृष्ण ने 64 कलाओं के साथ–साथ संगीत, नृत्य व युद्ध की भी कला भी सीखी थी। एक बार पांडवों के राजसूय यज्ञ में शिशुपाल श्रीकृष्ण को अपशब्द कहता रहा।

वह छोटा भाई था, लेकिन बोलते–बोलते उसने सारी मर्यादाएं तोड़ दीं। सभा में मौजूद सभी लोग क्रोधित थे लेकिन श्रीकृष्ण शांत थे और मुस्कुरा रहे थे। एक बार श्रीकृष्ण शांति दूत बनकर दुर्योधन के पास गए तो उसने श्रीकृष्ण का बहुत अपमान किया। श्रीकृष्ण शांत रहे। इसलिए अगर हमारा दिमाग स्थिर है और मन शांत है तभी हम कोई सही निर्णय ले पाएंगे, कठिन स्थितियों को पार कर पाएंगे। गुस्से में हमेशा नुकसान होता है। उचित प्रबंधन के माध्यम से हम यह सीख सकते हैं और श्रीकृष्ण इसके प्रयोक्ता थे।

श्रीकृष्ण का संपूर्ण जीवन भारत के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का पर्याय है। उनके आदर्शों के माध्यम से ही विश्व ने भारत को जाना है। उनके आदर्शों की पुनर्प्रतिष्ठा से विश्व फिर से भारत को जानेगा। राजनैतिक सूक्ष्म दृष्टि, दुष्टों, राष्ट्रद्रोहियों, अपराधियों एवं भ्रष्टाचारियों का दलन, वचन पालन का संकल्प, राष्ट्रहितार्थ आत्मसमर्पण का व्रत, निष्पाप लोगों की मुक्ति, विषमताओं का उन्मूलन, विभेदों में सामंजस्य, परस्पर शत्रुता का निवारण, स्वयं स्वीकृत आत्मसंयम, राष्ट्र कार्यों में सबका सहयोग, राजसत्ता पर धर्मसत्ता का अंकुश और इन सबकी पूर्ति के लिए सत्ता का भी त्याग इत्यादि श्रीकृष्ण के प्रबंधन–गुण भारत के राष्ट्रीय जीवन एवं सांस्कृतिक मूल्य हैं। वास्तव में श्रीकृष्ण उस कोटि के चिंतक थे, जो काल की सीमा को पार कर शाश्वत और असीम तक पहुंचता है। जब–जब अनीति बढ़ जाती है, तब–तब श्रीकृष्ण जैसे राष्ट्रनायक को अवतीर्ण होना पड़ता है। जैसा कि स्वयं श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है– यदा–यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारतः, अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम। अर्थात अन्याय के प्रतिकार के लिए ही राष्ट्रनायक को जन्म लेने की आवश्यकता पड़ती है।

श्रीकृष्ण अनेक प्रबंधन विशेषताओं के समवाय थे, वे ग्रामीण संस्कृति के पोषक बने हैं। उन्होंने अपने समय में गायों को अभूतपूर्व सम्मान दिया। वे गायों एवं ग्वालों के स्वास्थ्य, उनके खान-पान को लेकर सजग थे। उन्होंने जहां ग्वालों की मेहनत से निकाला गया माखन और दूध-दही को स्वास्थ्य रक्षक के रूप में प्रतिष्ठित किया वही इन अमूल्य चीजों को कर' के रूप में कंस को देने से रोका।

श्रीकृष्ण अनेक प्रबंधन विशेषताओं के समवाय थे, वे ग्रामीण संस्कृति के पोषक बने हैं। उन्होंने अपने समय में गायों को अभूतपूर्व सम्मान दिया। वे गायों एवं ग्वालों के स्वास्थ्य, उनके खान–पान को लेकर सजग थे।

उन्होंने जहां ग्वालों की मेहनत से निकाला गया माखन और दूध–दही को स्वास्थ्य रक्षक के रूप में प्रतिष्ठित किया वही इन अमूल्य चीजों को कर' के रूप में कंस को देने से रोका। वे चाहते थे कि इन चीजों का उपभोग गांवों में ही हो। श्रीकृष्ण का माखनचोर वाला रूप दरअसल निरंकुश सत्ता को सीधे चुनौती तो था ही, लेकिन साथ ही साथ ग्रामीण संस्कृति को प्रोत्साहन देना भी था। श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव–जन्माष्टमी पर आज भारत का निर्माण उनकी शिक्षाओं, जीवन–आदर्शों, प्रबंधन–कौशल एवं सिद्धान्तों पर करने की अपेक्षा है, तभी हिन्दू सशक्त होंगे, तभी भारत सही अर्थों में हिन्दू राष्ट्र बन सकेगा।

मुद्दा

कोटा पर दाग लगाती आत्महत्या की घटनाएं

रमेश सर्राफ धमोरा
मोबाइल : 9414255034

राजस्थान का कोटा शहर देश में कोचिंग की सबसे बड़ी मंडी बन चुका है। यहां प्रतिवर्ष लाखों छात्र कोचिंग करने के लिए आते हैं। जिससे कोचिंग संचालकों को सालाना कई हजार करोड़ रुपए की आय होती है। हालांकि कोटा आने वाले सभी छात्र मेडिकल व इंजीनियरिंग परीक्षा में सफल नहीं होते हैं। मगर देश की शीर्षस्थ मेडिकल व इंजीनियरिंग संस्थानों में चयनित होने वाले छात्रों में कोटा में कोचिंग लेने वाले छात्रों की संख्या भी काफी होती है। इसी कारण अभिभावक अपने बच्चों को कोचिंग के लिए कोटा भेजते हैं। कोटा में कोचिंग लेने वाले छात्रों को प्रतिवर्ष लाखों रुपए खर्च करने पड़ते हैं। बहुत से छात्रों के अभिभावकों की स्थिति इतना खर्च वहन करने की नहीं होने के उपरांत भी वह अपने बच्चों को इस आशा से कोटा भेजते हैं कि यदि वह परीक्षा में सफल हो जाता है तो भविष्य में इंजीनियर या डॉक्टर बन जाएगा। इसके लिए लोग लाखों रुपए के कर्ज के बोझ तले भी दब जाते हैं।

कोचिंग के बड़े केंद्र कोटा में पढ़ने वाले छात्रों द्वारा की जा रही आत्महत्याओं की घटनाएं शहर के दामन पर कलंक लगा रही है। पिछले अगस्त महीने में ही कोटा में कोचिंग करने वाले छ: छात्रों ने आत्महत्या कर चुके हैं। साल 2023 में अब तक कोटा में 24 छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। उनमें 20 छात्र व चार छात्राएं शामिल है। इनमें से 16 छात्र नीट परीक्षा की व 8 छात्र जेईई परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। इनमें बिहार के नौ, उत्तर प्रदेश के आठ, राजस्थान के चार, मध्य प्रदेश का एक, महाराष्ट्र के दो छात्र शामिल हैं। कोटा में आत्महत्या करने वाले 24 में से 15 छात्र ऐसे थे जिनके टेस्ट में कम नंबर आने के कारण उन्होंने आत्महत्या कर ली थी।

आत्महत्या करने वालों में 10 छात्रावास में, दो निजी आवास में व 12 छात्र पेइंग गेस्ट में रह रहे थे। वर्ष 2012 से अब तक यहां 142 छात्रों ने आत्महत्या की है। कोटा में कोचिंग संस्थानों में पढ़ाई करने वाले छात्रों द्वारा लगातार की जा रही आत्महत्या की घटनाओं से पूरा देश सकते की स्थिति में है। सरकार व प्रशासन द्वारा लाख प्रयासों के उपरांत भी कोटा के छात्रों द्वारा आत्महत्या करने की घटनाएं नहीं रूक पा रही है। कोटा में आत्महत्या करने वाले छात्रों में से अधिकांश गरीब या मध्यम वर्गीय परिवारों से आते हैं।

कोटा में छात्रों द्वारा आत्महत्या करने का मुख्य कारण छात्रों पर पढ़ाई करने के लिए पड़ने वाला मनोवैज्ञानिक दबाव को माना जा रहा है। कोटा में पढ़ने के लिए आने वाले छात्रों में अधिकांश मध्यम वर्गीय परिवारों से होते हैं। उनके अभिभावक आर्थिक रूप से अधिक सक्षम नहीं होते हैं। अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलवाने के लिए वह लोग विभिन्न स्तरों पर पैसों की व्यवस्था कर बच्चों को कोचिंग के लिए कोटा भेजते हैं। कोटा आने वाले छात्रों को पता है कि उनके अभिभावकों ने कितनी मुश्किल से कोचिंग लेने के लिए उन्हें कोटा भेजा है। ऐसे में यदि वह सफल नहीं होंगे तो उनके अभिभावक जिंदगी भर कर्ज में दबे रह जाएंगे। यही सोचकर छात्र हमेशा मनोवैज्ञानिक दबाव महसूस करता रहता है। इसके अलावा कोटा में पढ़ने वाले छात्रों पर पढ़ाई का भी बहुत अधिक दबाव रहता है। यहां चलने वाले सभी कोचिंग संस्थाएं कई शिफ्टों में संचालित होती है। जिसमें अलग–अलग बैच में पढ़ाई होती हैं। कोटा में पढ़ने वाले छात्रों पर मेडिकल या इंजीनियर की परीक्षा में अच्छे नंबर हासिल करने को लेकर अभिभावकों व कोचिंग संस्थानों का दबाव होता है।

कोचिंग संस्थान भी अच्छा परिणाम दिखाने के चक्कर में छात्रों को मशीन बनाकर रख देते हैं। छात्रों पर हर दिन पढ़ाई का दबाव बना रहता है तथा साप्ताहिक टेस्ट पास करने के चक्कर में छात्र दिन–रात पढ़ाई करते रहते हैं। जिससे ना तो उनकी नींद पूरी हो पाती है ना ही वह मानसिक रूप से आराम कर पाते हैं। ऐसे में छात्र जल्दी उठकर कोचिंग संस्थान में जाकर पढ़ाई करने व दिनभर पढ़ाई में व्यस्त रहने के कारण वह तनाव में आ जाता है।

बाहर से आने वाले बहुत से छात्र पढ़ाई में पिछड़ जाने के डर से वह आत्महत्या जैसा अमानवीय कदम उठा लेते हैं। आज कोटा देश में कोचिंग का सुपर मार्केट है। एक अनुमान के मुताबिक कोटा के कोचिंग मार्केट का सालाना चार हजार करोड़ का टर्नओवर है। कोचिंग सेन्टरों द्वारा सरकार को अनुमानतः सालाना 300–400 करोड़ रूपये से अधिक टैक्स के तौर पर दिया जाता है। कोटा में देश के तमाम नामी गिरामी संस्थानों से लेकर छोटे–मोटे 200 कोचिंग संस्थान चल रहे हैं। यहां तक कि दिल्ली, मुंबई के साथ ही कई विदेशी कोचिंग संस्थाएं भी कोटा में अपना सेंटर खोल रही हैं। लगभग ढ़ाई लाख छात्र इन संस्थानों से कोचिंग ले रहे हैं। कोटा में सफलता की बड़ी वजह यहां के शिक्षक हैं। आईआईटी और एम्स जैसे इंजीनियरिंग और मेडिकल कालेजों में पढने वाले छात्र बड़ी–बड़ी कम्पनियों और अस्पतालों की नौकरियां छोडकर यहां के कोचिंग संस्थाओं में पढ़ा रहे हैं। तनख्वाह ज्यादा होने से कोटा शहर में 75 से ज्यादा आईआईटी पास छात्र पढ़ा रहे हैं। कोटा में बढ़ती आत्महत्याओं की घटनाओं से चिंतित राजस्थान सरकार हरकत में आई है। सरकार ने त्वरित कदम उठाते हुए अगले दो माह तक सभी तरह के टेस्टों पर प्रतिबंध लगा दिया है। कोटा में कोचिंग करने वाले छात्रों के लिए अलग से पुलिस थाना खोला जाएगा। हॉस्टल के कमरों में ऐसी डिवाइस लगे पंखे लगाए जाएंगे जिनपर यदि कोई लटकने की कोशिश करेगा तो डिवाइस में लगा सायरन बजकर लोगों को सतर्क कर देगा। सरकार ने छात्रों के मानसिक तनाव के विस्तृत अध्ययन के लिए मनोचिकित्सकों की एक टीम भी बनाई है जो छात्रों से मिलकर आत्महत्याओं के कारणों की जांच करेगी।

सरकार चाहे कितनी भी कोशिश कर ले। कोटा में पढ़ने वाले छात्र जब तक खुले मन से बिना किसी दबाव के पढाई करने लगेंगे तभी यहां का माहौल सुधरेगा। यहां चल रहे कोचिंग संस्थानों को मशीनी स्तर पर चलाई जा रही प्रतिस्पर्धा को रोककर एक सकारात्मक वातावरण बनाना होगा। तभी कोटा में पढ़ने वाले छात्र खुद को सुरक्षित महसूस कर पढाई कर पाएंगे। कोटा में संचालित कोचिंग संस्थान जब तक अपने काम को पैसे कमाने कि मशीन समझना बंद कर अपने छात्रों के साथ संवेदनशील व्यवहार नहीं करेंगे तब कोटा के हालात नहीं सुधरेंगे।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रतियोगिता

मथुरा में बुधवार को जन्माष्टमी उत्सव की पूर्व संध्या पर फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे भगवान कृष्ण की वेशभूषा में।

नेपाल में बाजरे की खेती, खपत को बढ़ावा देने के लिए भारत के साथ सहयोग करने को तैयार

काठमांडू/भाषा

नेपाल के खाद्य, कृषि और पशुधन मंत्री बेदुराम भुशाल ने कहा है कि हिमालयी देश उच्च पोषण गुणों वाले बाजरे की खेती और खपत को बढ़ावा देने के लिए भारत के साथ सहयोग करने को तैयार है। काठमांडू में आयोजित एक कार्यक्रम में भुशाल ने बाजरा अभियान में अग्रणी भूमिका निभाने और इस अनाज का नाम बदलकर ''श्री अन्न'' या शुभ अनाज रखे के लिए भारत को बधाई दी। भुशाल ने बाजरा को मुख्य भोजन के रूप में बढ़ावा देने के पीछे के संभावित स्वास्थ्य लाभों पर जोर दिया और इसके उच्च पोषण गुणों पर प्रकाश डाला। संयुक्त राष्ट्र के, भारत की पहल पर बाजरा की खपत को बढ़ावा देने के लिए एक अभियान शुरू करने की बात को रेखांकित करते हुए भुशाल ने कहा कि नेपाल इस अभियान में नई दिल्ली के साथ हाथ मिलाने के लिए तत्पर है। साल 2021 में भारत ने संयुक्त राष्ट्र में 2023 को अंतरराष्ट्रीय बाजरा वर्ष घोषित करने का प्रस्ताव दिया था। भारतीय दूतावास ने नेपाल के कृषि और पशुधन मंत्रालय के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय बाजरा वर्ष 2023 के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने बाजरा उत्पादन और इसकी वाणिज्यिक क्षमता तलाशने के लिए कृषि क्षेत्र में भारत और नेपाल के बीच सहयोग के महत्व पर जोर दिया।

मांग

श्रीनगर में बुधवार को ऑल जम्मू-कश्मीर ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्यों ने श्रीनगर में विरोध प्रदर्शन किया और ई-रिक्शा के अवैध संचालन पर प्रतिबंध लगाने की मांग की।

अगर चीन जी20 सम्मेलन में 'बिगाड़ने वाले' की भूमिका निभाना चाहता है, तो यह विकल्प उपलब्ध है : अमेरिका

वाशिंगटन/भाषा

अमेरिका के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि यह चीन को तय करना है कि वह नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन में किस तरह की भूमिका निभाना चाहता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अगर बीजिंग इसमें आना चाहता है और ''बिगाड़ने वाले'' की भूमिका निभाना चाहता है, तो यह विकल्प उसके लिए उपलब्ध है। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन मंगलवार को व्हाइट हाउस संवाददाता सम्मेलन में जी20 शिखर सम्मेलन पर भारत-चीन सीमा तनाव के प्रभाव को लेकर एक सवाल का जवाब दे रहे थे।

उन्होंने कहा, ''जहां तक भारत और चीन के बीच तनाव का (जी20) शिखर सम्मेलन को प्रभावित करने का सवाल है तो यह वास्तव में चीन पर निर्भर है। अगर चीन इसमें आना चाहता है और बिगाड़ने वाले की भूमिका निभाना चाहता है तो निश्चित रूप से यह विकल्प उनके लिए उपलब्ध है।

सुलिवन ने कहा, मुझे लगता है कि जी20 का वर्तमान अध्यक्ष भारत उन्हें वह करने के लिए प्रोत्साहित करेगा जो अमेरिका और हर अन्य सदस्य, जी20 का हर दूसरा सदस्य करेगा, जो उन्हें जलवायु, बहुपक्षीय विकास, बैंक सुधार, ऋण राहत, प्रौद्योगिकी और भूराजनीतिक सवालों से इतर समस्या-समाधान और विकासशील देशों के लिए काम करने पर ध्यान केंद्रित करने के विषय पर रचनात्मक तरीके से आने के लिए प्रोत्साहित करेगा। चीन के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को घोषणा की कि चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग इस सप्ताह नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे और प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व प्रधानमंत्री ली क्विंग करेंगे। मंत्रालय ने इस हाई-प्रोफाइल बैठक को सफल बनाने के लिए सभी पक्षों के साथ काम करने की बीजिंग की इच्छा व्यक्त की। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि भारत सरकार के निमंत्रण पर 'स्टेट काउंसिल' के प्रमुख ली नौ और 10 सितंबर को नई दिल्ली, भारत में आयोजित होने वाले 18वें जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे।

भारत नौ और 10 सितंबर को नई दिल्ली में वार्षिक जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है।

सुलिवन ने कहा कि जी-20 शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति जो बाइडन स्पष्ट करेंगे कि अमेरिका वास्तविक प्रगति की उम्मीद करता है।

उन्होंने कहा, ''वह इस बात को लेकर स्पष्ट हैं कि सभी जी20 सदस्यों को रचनात्मक तरीके से एक साथ आना चाहिए, इसमें कोई अपवाद नहीं है। हम जलवायु से लेकर स्वास्थ्य और डिजिटल प्रौद्योगिकी तक अन्य प्रमुख प्राथमिकताओं पर भी प्रगति कर रहे हैं, जिसमें अधिक समावेशी डिजिटल परिवर्तन और एआई (कृत्रिम मेधा) विकास के लिए एक जिम्मेदार पथ और दृष्टिकोण के संबंध में प्रतिबद्धताएं शामिल हैं।''

सुलिवन ने कहा कि वास्तविकता यह है कि रूस के (यूक्रेन पर) अवैध युद्ध ने सामाजिक और आर्थिक परिणामों को तबाह कर दिया है और धरती के सबसे गरीब देशों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति बाइडन अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र घोषणापत्र के सिद्धांतों, क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता के सिद्धांतों के सम्मान में स्थापित एक न्यायसंगत और टिकाऊ शांति का आह्वान करेंगे, जो वह पहले भी करते रहे हैं।

सुलिवन ने कहा कि बाइडेन इस बात पर जोर देते रहेंगे कि इन सिद्धांतों का पालन करते हुए अमेरिका यूक्रेन का तब तक समर्थन करेगा जब तक उसे आवश्यकता होगी।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''अंतिम लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि अमेरिका यह स्पष्ट कर देगा कि हम जी20 के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो दुनिया की सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं का वैश्विक समस्या के समाधान के वास्ते एक साथ आने का एक महत्वपूर्ण मंच है।''

जीवित रहते चार लाख भारतीयों को शायद नहीं मिल पाए रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड : रिपोर्ट

वॉशिंगटन/भाषा। अमेरिका में भारतीयों के लिए ग्रीन कार्ड का इंतजार खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। करीब 11 लाख भारतीय रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड के लिए कतार में हैं और करीब चार लाख लोगों की अमेरिका में स्थायी निवास का कानूनी दस्तावेज मिलने से पहले मृत्यु हो सकती है। एक नए अध्ययन में यह बात सामने आई है।

ग्रीन कार्ड को आधिकारिक तौर पर स्थायी निवासी कार्ड के रूप में पहचाना जाता है। यह अमेरिका में प्रवासियों को सबूत के तौर पर जारी किया जाने वाला एक दस्तावेज है जो बताता है कि धारक को स्थायी रूप से देश में रहने का विशेषाधिकार दिया गया है। अमेरिकी शोध संस्थान 'कैटो इंस्टिट्यूट' के डेविड जे बियर के अध्ययन के अनुसार, रोजगार-आधारित ग्रीन कार्ड में लंबित आवदेनों की संख्या इस वर्ष 18 लाख के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। इन 18 लाख में से करीब 11 लाख (63 प्रतिशत) लंबित आवेदन भारत से हैं। करीब 2,50,000 (14 प्रतिशत) चीन से हैं।

मुझे अपनी भारतीय जड़ों पर बेहद गर्व : सुनक

नई दिल्ली/भाषा

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक अपने भारतीय सास-ससुर के साथ खाने की मेज पर क्या चर्चा करते हैं? भारतीय राजनीति या ब्रिटेन के शासन की चुनौतियां?

इनमें से कोई नहीं; जवाब है- क्रिकेट। सुनक ने कहा, हम क्रिकेट को लेकर चर्चा में सबसे ज्यादा राजनीतिक होते हैं। मैं इस बात से सहमत हूं कि जब क्रिकेट की बात आती है तो मेरी बेटियां भारत का समर्थन कर सकती हैं, जिस प्रकार वे फुटबॉल को लेकर इंग्लैंड का समर्थन करती हैं!

सुनक के माता-पिता भारतीय मूल के हैं और वे पूर्वी अफ्रीका से ब्रिटेन आए थे। उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति भारत की मशहूर प्रौद्योगिकी हस्ती नारायण मूर्ति और परोपकारी सुधा मूर्ति की पुत्री हैं।

नई दिल्ली में 9-10 सितंबर को आयोजित होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत की अपनी यात्रा से कुछ दिन पहले ईमेल के जरिए एक साक्षात्कार में, सुनक ने बुधवार को कहा कि उनके प्रधानमंत्री बनने पर भारतीय लोगों की प्रतिक्रिया जबरदस्त और स्नेहपूर्ण थी।

उन्होंने कहा, मुझे अपनी भारतीय जड़ों और भारत से अपने संबंधों पर काफी गर्व है। जैसा कि आप जानते हैं, मेरी पत्नी भारतीय हैं और एक गौरवान्वित हिंदू होने का अर्थ है कि भारत और भारत के लोगों से मेरा हमेशा जुड़ाव रहेगा।

कंजर्वेटिव पार्टी के 43 वर्षीय नेता सुनक पहली बार 2015 में सांसद चुने गए थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने फरवरी 2020 में उन्हें वित्त मंत्री नियुक्त किया था।

ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बनने वाले भारतीय मूल के पहले व्यक्ति सुनक ने कहा, प्रधानमंत्री बनने के बाद मैंने जो पहला काम किया, वह डाउनिंग स्ट्रीट (प्रधानमंत्री निवास एवं कार्यालय) में दिवाली पर विशेष समारोह का आयोजन था। मुझे कई ब्रिटिश भारतीयों का स्वागत करने का मौका मिला और पूरी इमारत को रोशनी तथा फूलों से सजा देखना मेरे लिए भावनात्मक तथा गौरवपूर्ण क्षण था।''उन्होंने कहा, मेरी कहानी ब्रिटेन में ऐसे कई लोगों की कहानी है जिनका भारत से गहरा और स्थायी नाता है। हमारे देश की ताकत इसकी विविधता में है तथा प्रधानमंत्री बनने के बाद मैंने इसे कई बार प्रत्यक्ष रूप से महसूस भी किया है।' उनसे सवाल किया गया था कि जब आप अपने सास-ससुर के साथ बैठते हैं, तो क्या आप उनके साथ भारतीय राजनीति, प्रौद्योगिकी या उन समस्याओं पर बातचीत करते हैं जिनका सामना आप ब्रिटेन का शासन संभालने में करते हैं? इसके जवाब में सुनक ने कहा, राजनीति को परिवार से अलग रखना काफी महत्वपूर्ण है, लेकिन निश्चित रूप से मेरी पत्नी और दो बेटियां मेरे मूल्यों को दिशा देती हैं, जैसा मेरे माता-पिता और सास-ससुर करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''मुझे अपने सास-ससुर और उन्होंने जो हासिल किया है, उस पर काफी गर्व है - उन्होंने साधारण स्तर से शुरूआत कर ऐसी कंपनी बनाई जो दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे सम्मानित कंपनियों में से एक है, जो भारत और ब्रिटेन दोनों देशों में हजारों लोगों को रोजगार देती है। मैं एक ऐसे देश का निर्माण और नेतृत्व करना चाहता हूं जहां हर कोई वैसी सफलता का अनुकरण कर सके जो उन्हें मिली है।''

फिल्म 'मेहरबान' की शूटिंग शुरू

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव की फिल्म मेहरबान की शूटिंग शुरू हो गयी है। फिल्म मेहरवानके मुहूर्त के अवसर पर रवि किशन भी मौजूद रहे, जिन्होंने फिल्म की सफलता की कामना करते हुए खेसारी लाल यादव को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दी। मौके पर रवि किशन ने कहा कि खेसारी लाल यादव भोजपुरी के चमकते सितारे हैं और उनका हर प्रोजेक्ट बेहतरीन होता है। इसलिए उम्मीद करते हैं कि यह फिल्म भी अच्छी बने, जिससे हमारी भोजपुरी और आगे बढ़ते रहे। भोजपुरी के दर्शक बड़े दिलवाले होते हैं। उनका प्यार हमें सदैव मिलता रहा है और वह भोजपुरी में आए नए कलाकारों को भी दिल खोलकर अपना लेते हैं। बस जरूरत है तो अच्छे कॉन्सेप्ट के साथ शानदार मनोरंजन वाली फ़िल्में और गाने लेकर आने की, जो इन दिनों काफी देखने को मिल रहा है और इसलिए भोजपुरी की ओर पूरी दुनिया देख रही है।

फिल्म मेहरबान के निर्माता संजय शर्मा है और निर्देशक सुशील उपाध्याय हैं, जबकि म्यूजिक कृष्णा बेदर्दी का है। इस फिल्म को लेकर खेसारी लाल यादव ने कहा कि मेहरवान एक खूबसूरत सी फिल्म होने वाली है, जिसको लेकर खूब तैयारी भी की गई हैं। मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म इस साल की सबसे बड़ी रोमांटिक फिल्म होगी।इस फिल्म की शुरुआत बेहद खास हुई है, जब भगवान भोलेनाथ के अनन्य भक्त और हमारे मैंटॉर रवि किशन भैया के आशीर्वाद के साथ हमारी फिल्म की शूटिंग शुरु हुई है तो हमें महादेव पर पूरा भरोसा है कि हमारी फिल्म दर्शकों को अच्छी लगेगी। फिलहाल तो हमारा पूरा फोकस फिल्म को लेकर है जिसकी कहानी अभी रिवील करना सही नहीं होगा, लेकिन इतना भरोसा दिलाता हूं कि यह फिल्म आप सबों को अपने आप से जोड़ लगी और आप हमारे फिल्म को बार-बार देखेंगे। फिल्म के गीत संगीत भी बेहतरीन होने वाले है।

रॉनिक फिल्म्स के बैनर से बन रही फिल्म मेहरबान के निर्माता संजय शर्मा ने बताया कि यह फिल्म पूरी भव्यता के साथ बनेगी और हम इसके लिए तत्पर हैं। इस फिल्म में खेसारी लाल यादव और मेघा श्री मुख्य भूमिका में है तो साथ में सपना चौहान भी एक महत्वपूर्ण किरदार में नजर आने वाली है।

इसके अलावा फिल्म में श्रद्धा नवल, विनोद मिश्र, प्रकाश जैश, महेश आचार्य, सोनू पांडे, राज मौर्य, साकेत चटर्जी, अंजलि, निशा तिवारी, मानवी सिंह, सिद्धांत सिंह और नीरज बाबा प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।इस फिल्म को हम इसी साल रिलीज करेंगे।

फिल्म 'मिशन रानीगंज' 5 अक्टूबर को होगी रिलीज!

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की फिल्म मिशन रानीगंज 05 अक्टूबर को रिलीज हो सकती है अक्षय कुमार की फिल्म मिशन रानीगंज माइनिंग इंजीनियर जसवंत सिंह गिल के जीवन से प्रेरित है।

गिल ने 1989 में रानीगंज कोलफील्ड्स में 64 लोगों को बचाया था। फिल्म में अक्षय कुनमार जसवंत सिंह का किरदार करते नजर आएंगे। फिल्म का नाम सबसे पहले 'कैप्सूल गिल' रखा गया था। बाद में नाम बदलकर 'द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू' रखा गया। अब फिल्म का नाम फिर से बदलकर 'मिशन रानीगंज' रखने का फैसला लिया गया है। अक्षय कुमार की फिल्म मिशन रानीगंज 05 अक्टूबर को रिलीज हो सकती है।

शूटिंग सेट पर हर रोज खिचड़ी खाते हैं पंकज त्रिपाठी

मुंबई/एजेन्सी

एक्टर पंकज त्रिपाठी, जो मंगलवार को अपना जन्मदिन मना रहे हैं, ने मंगलवार को अपकमिंग फिल्म 'फुकरे 3' का ट्रेलर लॉन्च किया। उन्होंने साझा किया कि शूटिंग के दौरान वह खिचड़ी खाना पसंद करते हैं। पंकज, जिन्हें हाल ही में 'मिमी' में उनके काम के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया था, ने फ्रेंचाइजी की थर्ड इंस्टॉलमेंट के ट्रेलर लॉन्च के अवसर पर मीडिया से बात की शूटिंग के दौरान अपने खान-पान की आदतों के बारे में बात करते हुए एक्टर ने कहा, मैं जब भी शूट पर होता हूं, खिचड़ी खाता हूं हर दिन। उनके जवाब सुनकर वहां मौजूद लोग हंसने लगे, जिस पर अभिनेता ने पूरी गंभीरता से जवाब देते हुए कहा, सच में ये मजाक नहीं है, मैं सच में हर दिन खिचड़ी खाता हूं जितने दिन भी शूट चले। यह मुझे शांत और फोकस्ड रहने में मदद करती है और मैं अपना काम अच्छे तरीके से कर पाता हूं। अभिनेता से जन्मदिन का जश्न मनाने के लिए ट्रेलर लॉन्च पर केक काटने का अनुरोध किया गया था, लेकिन उन्होंने अनुरोध को यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया, ''धन्यवाद, लेकिन मैं काफी असहज हो जाता हूं, केक काटने को लेके। खुद का जन्मदिन मनाने में मेरी इतनी रुचि नहीं है।'' 'फुकरे 3' 28 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शिरकत

पटना में बुधवार को विद्यापति भवन में अमर शहीद जगदेव प्रसाद की पुण्य तिथि पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी, सांसद रविशंकर प्रसाद और सुशील कुमार मोदी शामिल हुए।

'जवान' का असली विलेन कौन? जारी हुआ वीडियो

मुंबई/एजेन्सी

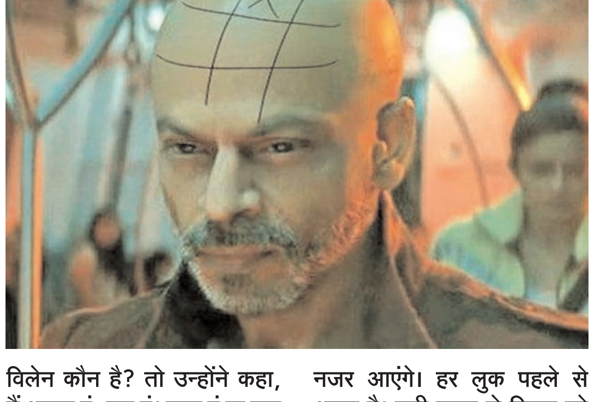

मंगलवार को रेड चिलीज एंटरटेनमेंट ने एक दिलचस्प वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो क्लिप में शाहरुख और विजय 'जवान' से जुड़े कुछ अहम सवालों के शानदार जवाब देते नजर आ रहे हैं। इस सवाल जवाब के दौरान पता चलता है कि इस फिल्म में विलेन कौन है और हीरो कौन है।

कौन है असली विलेन जब विजय सेतुपति से पूछा गया कि फिल्म में कौन है विलेन? तो उन्होंने कहा, जब भी मैं विलेन का किरदार निभाता हूं तो मैं विलेन नहीं होता हूं हीरो विलेन होता है। क्योंकि मैं अपना काम कर रहा होता हूं और अगर कोई और मेरे काम के बीच में आता है तो मेरे लिए वो विलेन हैं मैं नहीं। तो शाहरुख विलेन हैं।

इसी दौरान जब शाहरुख खान से पूछा गया कि फिल्म में विलेन कौन है? तो उन्होंने कहा, मैं अच्छा हूं, बुरा हूं। पुण्य हूं या पाप हूं। ये खुद से पूछना क्योंकि मैं भी आप हूं। तो ये एक आम आदमी जो अनकॉमन चीजें करता है। जो हर किसी की भलाई के लिए अबनॉर्मल चीजें कर रहा है।

जवान में शाहरुख खान के फैंस को कई रुप दिखने वाले हैं। शाहरुख खान 7 अलग अवतार में नजर आएंगे। हर लुक पहले से अलग है। इसी वजह से फिल्म को लेकर क्रेज बहुत ज्यादा है। जवान को एटली कुमार ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में शाहरुख के साथ नयनतारा, सान्या मल्होत्रा, प्रियामणि, रिद्धी डोगरा और विजय सेतुपति लीड रोल में नजर आने वाले हैं। फिल्म में दीपिका पादुकोण का कैमियो भी है।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

तेरापंथ मुनि डॉ पुलकितकुमारजी, नचिकेतामुनिजी, आदित्य कुमारजी के सान्निध्य में उत्तरी कर्नाटक के 41 से अधिक तेरापंथी क्षेत्रों की संगठित संस्था 'उत्तर कर्नाटक तेरापंथ सेवा समिति' के स्वर्ण जयंती समारोह का कार्यक्रम बल्लारी में आयोजित हुआ।

कोयम्बटूर में साध्वी उमरावकंवर 'अर्चना' की जयंती तप त्याग से मनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां कोयम्बतूर स्थानकासी जैन संघ कोयम्बतूर के तत्वावधान में साध्वी डॉ सुप्रभाजी 'सुधा', साध्वी डॉ उदित प्रभाजी, साध्वी डॉ हेमप्रभाजी, साध्वी डॉ इमित प्रभाजी, साध्वी श्री उन्नति प्रभाजी, साध्वी श्री निलेश प्रभाजी के पावन सान्निध्य में साध्वीश्री उमराव कंवरजी 'अर्चना' की 101वीं जयंती तप, त्याग और उल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर अर्चना महासती मंडल ने महासतीश्री उमराव कुंवरजी 'अर्चना' की जयंती पर उनके बहुआयामी व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। महासती जी के असीम उपकारों को स्मरण करते हुए उनके साथ बिताए हुए महान यादगार प्रसंग को जनमानस के समक्ष प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर बेंगलूरु, चेन्नई, सेलम, ईरोड, सिरकाली, वैलूर, मेडता, नागौर, ब्यावर आदि अनेक स्थानों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए। स्थानीय कोयम्बतूर के के विभिन्न उपनगर से भी गुरु भक्त श्रद्धालु गण कार्यक्रम में शरीक हुए। गुरु माता के जन्म जयंती के कार्यक्रम के प्रसंग पर अनेक जीव दया एवं मानवता की सेवा के कार्य संपन्न हुए। सप्त दिवसीय आध्यात्मिक कार्यक्रमों की आज पूर्णाहुति हुई। चेन्नई संघ ने अर्चना महासती मंडल के आगामी सन 2025 की वर्षावास की भावभरी विनती रखी। बेंगलूरु संघ से गुरु दर्शन यात्रा संघ के संयोजक मनोहर लाल लुकड ने महासतीजी के आगामी होली वर्षावास की भावभरी विनती रखी। कोयम्बतूर संघ के अध्यक्ष राजेश बोहरा ने स्वागत भाषण दिया। अनेक वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। डॉ पीयूष पटवा का कोयम्बतूर संघ की ओर से हार्दिक अभिनन्दन, सम्मान किया गया।

इस अवसर पर बेंगलूरु से गुरु भक्त पुखराज बोथरा, मनोहर लाल लुकड, सुरेश छल्लानी, रेवतमल नाहर, शांतिलाल बोहरा मास्टरजी, संजय कुमार कचोलिया, महावीर चोरड़िया, संतोष बोहरा, रतनीबाई मेहता, सरला नागोरी, लीला बाई, बोथरा, सरला डागा, इन्दिरा चेलावत, लीलाबाई झांगडा, नवनंदित लुकड आदि अनेक गुरु भक्त श्रावक एवं श्राविकागण उपस्थित थे। कोयम्बतूर संघ के मंत्री सुनील हिंगड ने सबका धन्यवाद ज्ञापित किया। युवक मंडल, महिला महिला मंडल ने व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया।

'जो आत्मा स्व-पर का हित करे, वह आत्मा सज्जन आत्मा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मीलेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीजी श्री तत्वत्रयाश्रीजी ने कहा कि जो आत्मा स्व–पर का हित करे, वह आत्मा सज्जन कहलाती है और जो आत्मा स्व–पर का अहित करे, वह दुर्जन कहलाती है। दुर्जन आत्मा सदा दूसरे का नुकसान हो, ऐसी ही प्रवृत्ति करती है। अतःदुर्जन को उपदेश देना, सर्प को दूध पिलाने के समान है। दूध पौष्टिक और लाभकारी पदार्थ है, किन्तु सर्प को दूध पिलाना तो उसकी विषवृद्धि के लिए ही होता है। इसी प्रकार दुर्जन व्यक्ति को धर्म का उपदेश देना, उसके कोपादि के लिए ही होता है। जिस प्रकार कच्चे घड़े में भरा गया पानी, घड़े का नाश करता है, उसी प्रकार अपात्र–अयोग्य व्यक्ति को दिया गया उपदेश उसका भी विनाश करता है। इसी कारण तीर्थंकर परमात्मा भी मुक्तिगामी भव्यात्मानों को सम्बोधित करके ही धर्म का उपदेश करते हैं, क्योंकि प्रभव्य और दुर्भव्य आत्माओं को उपदेश देना अनर्थ के लिए ही होता है। हृदय में समता भाव को धारण कर इन दुष्ट आस्रवों की संगति का त्याग कर दो। ये आस्रव अत्यन्त ही उच्छृंखल वृत्ति वाले, इनको आश्रय देने के साथ ही ये आत्मा के गुण–वैभव पर लूट चलाने वाले हैं। ये आस्रव तो वास्तव में लुटेरे हैं, जो आत्मा के गुण–वैभव को लूटते हैं। इनको आश्रय देना अत्यन्त ही खतरनाक है। बस इसी प्रकार जो आत्मा इन आस्रवों के संग में फँस जाती है, उसकी भी भयंकर दुर्दशा होती है। उसका आत्म घन लूट लिया जाता है और वह दरिद्र कंगाल बन जाती है। अतः सज्जनों का यह कर्तव्य है कि वे इन शत्रुभूत आस्रवों को तनिक भी आश्रय न दें। यह जानकारी जयंतीलाल श्री श्रीमाल ने दी

तेरापंथी श्रावक गुरु इंगित की आराधना करने वाला होता है : पुलकितमुनि

उत्तर कर्नाटक तेरापंथ सेवा समिति का स्वर्ण जयंती समारोह सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बल्लारी। तेरापंथ मुनि डॉ पुलकितकुमारजी, नचिकेतामुनिजी, आदित्य कुमारजी के सान्निध्य में उत्तरी कर्नाटक के 41 से अधिक तेरापंथी क्षेत्रों की संगठित संस्था 'उत्तर कर्नाटक तेरापंथ सेवा समिति' के स्वर्ण जयंती समारोह का कार्यक्रम बल्लारी में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महासभा के ट्रस्टी मूलचंद नाहर, महासभा कार्यकारिणी सदस्य प्रकाश लोढ़ा, विशिष्ट अतिथि पश्चिम महाराष्ट्र तेरापंथ सभा के अध्यक्ष उत्तमचंद पगारिया, मलनाड तेरापंथ क्षेत्रीय समिति के पूर्व अध्यक्ष तेजकरण सिपानी, वर्तमान अध्यक्ष महावीर भंसाली आदि उपस्थित थे।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जयंतीलाल चोपड़ा, मंत्री पुष्पराज बाफना सभी का स्वागत सम्मान किया। बल्लारी सभा अध्यक्ष कमलचंद छाजेड़, रमेश चोपड़ा, पूर्व अध्यक्ष रावतमल गोठी, पन्नालाल सुराणा, महेंद्र पालगोता सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सहमंत्री केसरीचंद गोलेछा ने किया।

कार्यक्रम के प्रथम चरण में 'कैसे हो श्रावकत्व का विकास' विषय पर डॉ मुनिश्री पुलकित कुमारजी ने कहा कि श्रावक वह होता है जो संस्कृति समाज और परिवार को सुरक्षित रखता है। तेरापंथी श्रावक की विशेषता होती है कि वह गुरु इंगित की विशेष आराधना करता है। तेरापंथ धर्मसंघ का प्रत्येक श्रावक श्रद्धावन ज्ञानवान क्रियावन और योगदान देने वाला बने। मुनिश्री ने प्रेरणा देते हुए आगे कहा यह वर्ष आचार्यश्री महाश्रमण दीक्षा कल्याण महोत्सव वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है, जिसमें उत्तरी कर्नाटक के प्रत्येक परिवार के सभी सदस्य संकल्प पत्र अवश्य भरें तथा तप–जप द्वारा स्वर्ण जयंती मनाने का प्रयास करें। कार्यक्रम के दूसरे चरण में संस्था संस्थापक अध्यक्ष राणमल जीरावला की विशेष सेवाओं को स्मरण करते हुए उनके पुत्र सोहनलाल जीरावला का सम्मान किया गया। ज्ञानशाला दिवस के संदर्भ में ज्ञानशाला के ज्ञानार्थी बच्चों ने आकर्षक प्रस्तुतियां दी। आगामी 1– 2 अक्टूबर को बल्लारी में आयोजित उत्तरी कर्नाटक ज्ञानशाला संस्कार निर्माण शिविर के बैनर का अनावरण भी किया गया। इस मौके पर उत्तर कर्नाटक के विभिन्न शहरों के तेरापंथी क्षेत्रों से लगभग 500 से ज्यादा श्रावक श्राविकाऐं उपस्थित थे। कार्यक्रम में तेरापंथ सभा महिला मंडल एवं तेरापंथ युवक परिषद बल्लारी के सभी कार्यकर्ताओं ने विशेष योगदान दिया।

'राग-द्वेष को मंद करने के लिए वैराग्य भाव जरूरी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित संभवनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री अभयशेखर सूरीश्वरजी ने अपने प्रवचन में कहा कि श्रावक जीवन में साधु जीवन में उत्तम साधना करने पर भी मोक्ष मार्ग पर आगे नहीं बढ़ने का कारण हमारा राग–द्वेष है। हमारी धर्म साधना, दान, शील, तप, भाव को आगे बढ़ाना है तो राग–द्वेष पर विजय प्राप्त करना है। राग–द्वेष को मंद करना है और वैराग्य को विकसित करना है।। अगर संसार का स्वरूप देख कर भी वैराग्य नहीं आता मतलब हम आंख खोल कर नहीं जी रहे हैं। चमड़ी की चक्षु नहीं, अंदर के चक्षु से, विवेक के चक्षु से संसार का स्वरूप देखना है जैसे गौतम बुद्ध ने देखा था। गौतम बुध को वैराग्य मुर्झाया हुआ फूल देखने से आया। संसार का नियम है जो आज विकसित है वह कल मुरझाने वाला है। गौतम बुद्ध के मन में मुरझाए हुए फूल ने चिंतन पैदा किया, बूढ़े आदमी को देख कर शरीर पर से राग नष्ट हुआ और मृत शरीर को देख कर वैराग्य पैदा हुआ, रात भर चिंतन कर सुबह संसार का त्याग कर दिया। जो दृश्य गौतम बुद्ध ने देखे हम ने भी अनेक बार देखे हैं लेकिन राग की दृष्टि से देखा है। वैराग्य प्राप्त करना हो तो फूल की विकसित अवस्था नहीं, इसमें रही हुई मूर्च्छित अवस्था को देखना चाहिए, यौवन रूप के आगे आने वाले बुढ़ापे को देखना चाहिए, प्राण है जीवन है तो इसका भविष्य मृत्यु है देख कर सावध होना चाहिए। राग–द्वेष को कम करना है तो गौतम बुद्ध जैसी नजर रखनी है।

जीवदया प्रतिपालक व सभी जीवों के तारणहार हैं शांतिनाथ भगवान : मुनि राजपद्मसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ ट्रस्ट के तत्वावधान में एलएनपुरम स्थित समणी भवन के प्रांगण में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री राजपद्मसागरजी ने कहा कि शांतिनाथ भगवान जीवदया प्रतिपालक व सभी जीवों के तारणहार है। संतश्री ने कहा कि परम उपकारी सोलहवें तीर्थंकर शिवसुखदायक श्री शांतिनाथ भगवान का च्यवन कल्याणक है। संतश्री ने शांतिनाथ परमात्मा का पूर्वभव का वृतांत समझाते हुए कहा कि महाविदेह क्षेत्र में पुंडरिकीणि नगरी के राजा धनरथ राजा के पुत्र थे एक मेघरथ–दृढरथ मेघरथ धार्मिक थे, उनको धर्म में ऊँची थी हमेशा धर्मध्यान करना उनको बहुत अच्छा लगता था। उनको जीवों के प्रति बहुत लगाव था, सभी को सुखी करने की भावना दुःख किसी का देख नहीं सकते थे जीवों की रक्षा करते थे। जब वो राजा बने और उनके दरबार में मनुष्य की भाषा बोलने वाले कबूतर आया और कहने लगा कि मुझे बचालो मेरे पीछे बाज पड़ा है, मुझे मारने के लिए और मेघरथराजा ने अपने उस कबूतर को बचाया और जीव दया का पालन किया। शांतिनाथ परमात्मा के च्यवन कल्याणक के निमित्त संघ में सामूहिक सामयिक रखी गई जिसमें बड़ी संख्या में श्रावक एवं श्राविकाओं ने सामायिक की। मुनि श्री श्रमणपअसागरजी म.सा ने कहा कि पच्चखाण एवं नियम द्वारा बहुत सारे पापों से बच जाते है।

'इंसान को लज्जावान बनना चाहिए'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां मागड़ी रोड में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी श्री प्रीति सुधाजी म. सा. की निश्रा में धर्म बिन्दु ग्रंथ और अमर कुमार सुरसुन्दरी चरित्र का वाचन चल रहा है। बुधवार को साध्वीश्री प्रियश्रेयांजनाश्रीजी म. सा. ने अपने प्रवचन में कहा कि हर इंसान को लज्ञावान बनना चाहिए। जिसके जीवन में लज्ञा होगी वह व्यक्ति कोई गलत कार्य भी नहीं करेगा। मित्र के लिए, परिवार के लिए, सगे संबंधियों के लिए, किसी के साथ भी उसका व्यवहार गलत नहीं होगा।

जिस व्यक्ति को शर्म नहीं, लज्ञा नहीं, वह गलत शब्द प्रयोग कर देता है, और गलत कार्य भी कर देता है। जो व्यक्ति लज्ञालु होता है, आंखों से उसकी पहचान हो जाती है। गलत कार्य के लिए हरदम शर्म और लज्ञा होनी चाहिए। संघ और समाज, संस्था में लज्ञावान बनना चाहिए लेकिन काम पड़े तो, सही बात बिना शर्म के स्पष्ट भी बताना चाहिए। लज्ञावान व्यक्ति बड़े अपराध से बच सकता है। निर्लज्ञ व्यक्ति शराब, मदिरा, मांस भक्षण, लूटपाट, चोरी, आदि सब अपराध करने से हिचकिचाता नहीं है। चार व्यक्ति के सामने कुछ भी गलत बात करने और गलत कार्य करने लग जाता है। लज्ञावान व्यक्ति गलत कार्य करते हुए चार बार सोचेगा,और वह किसी पर अत्याचार नहीं करेगा।

'भगवान कृष्ण ने कर्म से होकर परमात्मा तक जाने वाला मार्ग बताया'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कृष्ण जन्माष्टमी पर कहा कि जन्म से लेकर देहत्याग तक भगवान कृष्ण के जीवन की लगभग हर घटना में कोई सूत्र है। युद्ध भूमि पर दिया गया गीता का उपदेश संसार का श्रेष्ठतम ज्ञान माना जाता है। मैंनेजमेंट मास्टर कहें या जगतगुरु, गिरधारी कहें या रणछोड़। भगवान कृष्ण के जितने नाम हैं, उतनी कहानियां। जीवन जीने के तरीके को अगर किसी ने परिभाषित किया है तो वो कृष्ण हैं। कर्म से होकर परमात्मा तक जाने वाले मार्ग को उन्हीं ने बताया है। संसार से वैराग्य को सिरे से नकारा। कर्म का कोई विकल्प नहीं, ये सिद्ध किया। कृष्ण कहते हैं, मैं हर हाल में आता हूं, जब पाप और अत्याचार का अंधकार होता है तब भी, जब प्रेम और भक्ति का उजाला होता है तब भी। दोनों ही परिस्थिति में मेरा आना निश्चित है।

शुरू से अंत तक, जीवन संघर्ष ही है। कारागृह में जन्मे कृष्ण पैदा होते ही रात में यमुना पार कर गोकुल ले जाया गया। तीसरे दिन पुतना मारने आ गई। यहां से शुरू हुआ संघर्ष देह त्यागने से पहले द्वारिका डुबोने तक रहा। कृष्ण का जीवन कहता है, आप कोई भी हों, संसार में आए हैं तो संघर्ष हमेशा रहेगा। मानव जीवन में आकर परमात्मा भी सांसारिक चुनौतियों से बच नहीं सकता। कृष्ण ने कभी किसी बात की शिकायत नहीं की। हर परिस्थिति को जिया और जीता। कृष्ण कहते हैं परिस्थितियों से भागो मत, उसके सामने डटकर खड़े हो जाओ। क्योंकि, कर्म करना ही मानव जीवन का पहला कर्तव्य है। हम कर्मों से ही परेशानियों से जीत सकते हैं। मेघराज भंसाली ने बताया कि 12 सितंबर से पर्व पर्यूषण प्रारंभ होगा। मेघराज भंसाली, मांगीलाल वेदमुथा, नेमीचंद वेदमुथा, धीरज भंडारी, तिलोकचंद भंडारी, हेमराज मोदी उपस्थित रहे।

कृष्ण जन्माष्टमी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कृष्ण जन्माष्टमी पर्व के प्रसंग पर वंदे गौ मातरम चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा तावरेकेरे ग्राम पंचायत के कैतोहल्ली गांव में वंदे गौ माता टेंपल गौशाला का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने उपस्थित गो भक्तों को कृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान कृष्ण का जन्म प्राणी मात्र के कल्याण के लिए हुआ। भगवान कृष्ण ने गाय को मां कहा । गाय के दूध को अमृत कहा। भगवान कृष्ण का गो प्रेम मानव जाति के लिए प्रेरणादायक है।

'आज इंसान दोहरा चरित्र जी रहा है'

राणीबेन्नूर/दक्षिण भारत। यहां सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ में आचार्यश्री महेन्द्रसागरजी म. सा. ने बुधवार को अपने प्रवचन में बताया कि आज का इंसान दोहरा चरित्र जीता है। उसके लिए कसौटी भी अलग–अलग है। अपने लिए अलग कसौटी और गैरों के लिए अलग कसौटी। आज इंतान इतना होशियार और शातिर हो गया है कि वह अपनी मनमर्जी से शब्दों का अर्थ निकालता है। खुद का दिवाला निकल जाए तो भगवान की मर्जी कहकर उसे संभालता है वहीं पड़ोसी का दिवाला निकल जाए तो कहेगा कि भाई पाप का घड़ा तो भरेगा ही एक दिन। जैसे कर्म किए हैं उसे भुगतना तो पड़ेगा। स्वयं के लिए एक मापदंड वहीं दूसरे के लिए दूसरा मापदंड। यह उचित नहीं हैं। व्यक्ति के कथनी और करनी में फर्क नहीं होना चाहिए।

'हमें कर्मों का बंध करने से डरना चाहिए'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में स्थानक में विराजित साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी म. सा. ने अपने प्रवचन में कहा कि संसारी जीवन एक तीन घंटे का चलचित्र की तरह है। व्यक्ति जन्म लेता है अपने तरह–तरह के रोल निभाता है और दुनिया से चला जाता है। प्रभु परमात्मा महावीर स्वामी ने गौतम स्वामी को बार–बार कहा, 'समयं गोयम मा पमायए' अर्थात है गौतम क्षण मात्र का भी प्रमाद मत करो। जो तुम्हें समय मिला है वह यूं ही व्यतीत हो जाएगा। जन्म सभी लेते हैं मरण भी सभी को प्राप्त करना पड़ता है। लेकिन थावच्चा पुत्र जैसे शूरवीर होते हैं जो जन्म पर हर्षित होने कि तथा मरण पर दुखी होने की बात जानकर वैराग्य को प्राप्त कर दीक्षा ग्रहण कर लेते हैं। व्यक्ति कब जन्म प्राप्त करता है कब दुनिया से चला जाता है यह हमें पता ही नहीं चलता। यह थोड़ा सा समय हमें मिला है उसे हमें व्यर्थ नहीं गंवाना है। कुछ लोग आस्तिक होते हैं कुछ लोग नास्तिक होते हैं। हम अपनी इंद्रियों को वश में नहीं रखने के कारण कितने ही कर्मों का बंध कर देते हैं। अज्ञान अवस्था में व्यक्ति कितने ही पापों का बंध कर देता है। हमें कर्मों का बंध करने से डरना चाहिए और दोबारा जन्म और मरण नहीं हो ऐसा चिंतन करना चाहिए। अगर, हम जन्म और मरण के चक्कर को मिटाने का प्रयास करेंगे तो अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

इससे पूर्व साध्वी प्रियांगीश्रीजी ने कहा कि जिंदगी मिला करती है कुछ कर गुजरने के लिए, मुस्कान मिला करती है बनकर बिखरने के लिए और जिंदगी मिला करती है जाग कर जीने के लिए। मनुष्य भव हीरे के समान है। उसे यूं ही व्यर्थ नहीं गंवाना है। जिंदगी की डायरी के तीन पन्ने हैं। पहले पन्ना है जन्म। अंतिम पन्ना है मृत्यु व बीच का पन्नों पर हम गाली भी लिख सकते हैं और गीत भी लिख सकते हैं यह हमारे हाथ में है। साध्वी ऋषिताश्रीजी ने चातुर्मास संबंधी सूचनाएं प्रदान की। सहमंत्री विनोद भूरट ने संचालन किया।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com